Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 06 July 2023 ● Year : 01 ● Issue : 170 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

मन की बात कह देने से फैसले हो जाते हैं, मन में रखने से फासले हो जाते हैं।

सलमान खान की शादी होने तक राखी सावंत...

SHARE

सेंसेक्स	:	65,446.04
निफ्टी	:	19,398.50

SARAFA

सोना	:	5,570
चांदी	:	75.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

झारखंड कैबिनेट की बैठक 11 जुलाई को

RANCHI : राज्य मंत्री परिषद की बैठक 11 जुलाई को होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। मंत्रिमंडल सचिवालय निगरानी विभाग ने सभी विभागों को शाम 4:00 बजे से प्रोजेक्ट भवन में शुरू होने वाली इस बैठक के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजने का निर्देश दिया है।

एनसीईआरटी ने जारी की कक्षा 1 और 2 के लिए नई किताबें

RANCHI : देश में अब कक्षा एक और दो के बच्चों के लिए नया पाठ्यक्रम जारी हो गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने बुधवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की नई पुस्तकों का विमोचन किया। इन पुस्तकों को नई शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 और नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर फाउंडेशनल स्टेज (एनसीएफ-एफएस) 2022 के आधार पर विकसित किया गया है। बच्चों की अंग्रेजी की पुस्तक को मृदंग जबकि हिन्दी भाषा की पुस्तक को सारंगी नाम दिया गया है। गणित की किताबों को हिंदी में आनंदमय गणित और अंग्रेजी में जॉयफुल मैथमेटिक्स नाम दिया गया है।

बारह वर्षीय प्रत्यक्ष का तबले में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज

DEHRADUN : राजधानी के ग्राफिक एरा ग्लोबल स्कूल के छात्र प्रत्यक्ष का एक घंटा सैंतालिस मिनट तक लगातार तबला वादन करने का इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज हो गया है। बारह वर्षीय प्रत्यक्ष ग्राफिक एरा ग्लोबल स्कूल में कक्षा सातवीं का छात्र है। उसने पांच वर्ष की उम्र से ही तबला वादन शुरू कर दिया था। प्रत्यक्ष ने पिछले माह स्कूल के आडिटोरियम में तबले पर अपनी उंगलियां थिरकायीं, जिसे देखकर सभी हैरान थे।

एलसीए तेजस एमके-1ए इस साल के अंत तक हथियारों का परीक्षण शुरू करेगा

NEW DELHI : लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस एमके-1ए इस साल के अंत तक हथियारों का परीक्षण शुरू कर देगा। श्रीनगर स्थित वायु सेना की 51 नंबर स्क्वाड्रन (स्वॉर्ड आर्म्स) को अगले साल से तेजस एमके-1ए विमान मिलने लगेंगे। वायु सेना की पश्चिमी कमान के अधीन इसी स्क्वाड्रन से 2019 में सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान लड़ाकू विमानों को पाकिस्तानी विमानों की घुसपैठ को रोकने के लिए तैनात किया गया था।

पाकिस्तान में ईसाई महिला की हत्या

LAHORE : पाकिस्तान के लाहौर में एक ईसाई महिला की इस्लाम न अपनाने पर हत्या कर दी गई। महिला के तीन बच्चे हैं और वो एक सरकारी अस्पताल में नर्स थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक-विक्टिम का नाम शाजिया इमरान था। एक साल पहले शाजिया के पति का भी कत्ल कर दिया गया और अब तक उसके कातिलों का कोई सुराग नहीं लग सका है। कुछ खबरों में कहा गया है कि शाजिया की रेप के बाद हत्या की गई है। इसके पहले उस पर एसिड अटैक भी हुआ था।

तबरेज मॉब लिंचिंग मामले में 10 दोषियों को 10-10 साल की सजा, 15 हजार का जुर्माना भी

सरायकेला की अदालत ने सुनाया फैसला, 19 जून 2019 की घटना

PHOTON NEWS SARAIKELA : सरायकेला के धातकीडीह गांव में 19 जून 2019 को हुई तबरेज अंसारी मॉब लिंचिंग के मामले में एडीजे वन अमित शेखर की कोर्ट ने 10 दोषियों को 10-10 साल की सजा सुनायी है। साथ ही 15-15 हजार का जुमार्ना भी लगाया है। कोर्ट ने 27 जून को दस आरोपियों को दोषी करार दिया था, जबकि दो को साक्ष्य के अभाव में बरी किया था।

ऊपरी अदालत में जाऊंगी : शाहिस्ता

मॉब लिंचिंग के शिकार तबरेज अंसारी मामले में सजा का ऐलान होने के बाद तबरेज की पत्नी शाहिस्ता परवीन ने कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हुए दोषियों को अधिक से अधिक सजा दिलाने की मांग की। कहा कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए ऊपरी अदालत तक जाउंगी।

इन दोषियों को मिली सजा

कोर्ट ने जिन्हें 10-10 साल की सजा सुनायी है उनमें प्रकाश मंडल उर्फ पप्पू मंडल, भीम सिंह मुंडा, अतुल महाली, सुनामो प्रधान, विक्रम मंडल, चामू नायक, प्रेम चंद महाली, कमल महतो, मदन नायक और महेश महाली के नाम शामिल हैं। इन्हें आईपीसी की धारा 304, 323, 325, 341,295 (ए) और 149 के तहत दोषी करार दिया गया है। सजा की बिंदु पर बुधवार को सुनवाई हुई। एडीजे 1 अमित शेखर की अदालत ने दोषियों को सजा सुनाई है।

हत्या के चार दोषियों को आजीवन कारावास

RANCHI : अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार की अदालत ने नंदकिशोर लोहरा की हत्या के चार दोषियों फुलमनी देवी, घाना लोहरा, नाथन लोहरा और सुखराम लोहरा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने सभी पर पांच-पांच हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ने की राशि मृतक के परिजनों को दी जाएगी।

चाचा शरद पवार को हटा NCP के अध्यक्ष बने भतीजे अजित

शरद पवार व अजित पवार की फाइल फोटो।

- राकांपा के दोनों गुटों ने अलग-अलग बैठक बुलाकर समर्थकों के साथ किया शक्ति प्रदर्शन
- अजित पवार की बैठक में 32 विधायक और शरद पवार की बैठक में 16 विधायक हाजिर हुए

AGENCY MUMBAI : महाराष्ट्र में गरमाई सियासत के बीच बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों ने बुधवार को अलग-अलग बैठक कर शक्ति प्रदर्शन किया। इन बैठकों के बाद अजित पवार गुट ने चुनाव आयोग के सामने बड़ा दावा किया है। इसमें शरद पवार की जगह अजित पवार को एनसीपी का अध्यक्ष बनाने का दावा किया गया है। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बांद्रा स्थित एमईटी कालेज में अपने समर्थक विधायकों व पदाधिकारियों की बैठक बुलाई। इस बैठक में राकांपा के 32 विधायक उपस्थित थे। इसी तरह शरद पवार के गुट की ओर से नरीमन पाईंट स्थित यशवंत राव चव्हाण प्रतिष्ठान में बैठक बुलाई गई। इस बैठक में राकांपा के 16 विधायक उपस्थित थे। राकांपा के कुल 53 विधायकों में से एक नवाब मलिक इस समय जेल में हैं और 4 विधायक तटस्थ रहे। इन चारों ने किसी भी बैठक में जाने से परहेज किया। बैठक के बाद अजीत पवार 32 विधायकों को लेकर होटल ताज लैंड में पहुंचे हैं। इन सभी विधायकों को अजीत पवार ने होटल में सुरक्षित रखा है। होटल में अजीत पवार, छगन भुजबल आदि नेता खुद भी मौजूद हैं। इस बैठक में अजीत पवार ने कहा कि राकांपा में उनके साथ हमेशा अन्याय हुआ। चार बार मुख्यमंत्री बनने का मौका आया, लेकिन नेतृत्व ने उन्हें मुख्यमंत्री बनने नहीं दिया। अजीत पवार ने कहा कि शरद पवार ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, फिर अचानक अपना इस्तीफा वापस ले लिया। यह किस तरह की पद्धति है। साथ ही अजीत पवार ने कहा कि वे सुप्रिया सुले को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के लिए तैयार थे। शरद पवार ने अपने समर्थकों की बैठक में कहा कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ा तो कांग्रेस पार्टी की संपत्ति पर हक नहीं जताया था। शरद पवार ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस समय गैर भाजपा सरकारों और समर्थकों को तोड़ने का काम किया जा रहा है, लेकिन अब तक का इतिहास है कि जो भाजपा के साथ गया, खत्म हो गया। शरद पवार ने कहा कि छगन भुजबल उनसे कह कर गए कि क्या हो रहा है, देखकर आता हूं और उन्होंने मंत्री पद की शपथ ले ली। दोनों गुटों की बैठक के बाद अजित पवार गुट ने चुनाव आयोग के सामने बड़ा दावा किया है। इसमें शरद पवार की जगह अजित पवार को एनसीपी का अध्यक्ष बनाने का दावा किया गया है।

रांची को मिलेगा एक और MEDICAL COLLAGE

विश्व स्तरीय सुविधाओं से होगा लैस : हेमंत सोरेन

- सीएम ने राज्य को दी 206 आधुनिक एंबुलेंस की सौगात
- 38 डेंटिस्ट को हेमंत ने सौंपा नियुक्ति पत्र

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में एक और मेडिकल कॉलेज खुलेगा। सीएम हेमंत सोरेन ने बुधवार को इसकी घोषणा की। नामकुम स्थित आइपीएच सभागार में स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजधानी से लेकर गांवों तक स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने में लगी है। सभी पंचायतों में दवा दुकान खोलने की कोशिश शुरू हो चुकी है। इसके जरिये राज्य के युवाओं को स्वरोजगार मिल रहा है। सबसे खास बात यह है कि दुकान को खोलने के लिए अब फार्मा की डिग्री की जरूरत नहीं रहेगी। पढ़े लिखे युवा खुद इस दुकान को चला सकेंगे। साथ ही उन्होंने घोषणा करते कहा कि राज्य में एक भव्य मेडिकल कॉलेज की शुरूआत जल्द ही होगी। इसमें वर्ल्ड क्लास फैसिलिटी भी उपलब्ध होगी। मौके पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, विधायक राजेश कच्छप, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, सीएम की प्रधान सचिव वंदना डाडेल, अपर स्वास्थ्य सचिव अरुण सिंह और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। मौके पर सीएम ने राज्य को आधुनिक सुविधाओं से लैस 206 एंबुलेंस की सौगात दी। इनमें से 51 में एंबुलेंस एडवांस लाइफ सिस्टम की सुविधा है। 131 में बेसिक लाइफ सिस्टम है। 5 मोबाइल मेडिकल यूनिट की भी शुरूआत सीएम ने की। इसके लिए स्माइल फाउंडेशन से एमओयू किया गया है। कार्यक्रम के दौरान ममता वाहन एप, सीएम गंभीर बीमारी योजना और आयुष्मान एप का भी शुभारंभ सीएम ने किया। साथ ही 38 डेंटिस्ट को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस क्रम में उन्होंने कहा कि एंबुलेंस का संचालन, नए एप के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधा को सरल और बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है। इसके जरिये राज्य के जन-जन तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने की ओर कदम बढ़ाया जा रहा है। लोगों के स्वास्थ्य का देखभाल एक चैलेंज है। पर सरकार इसे सरल और बेहतर बनाने का प्रयास कर रही है। इस दौरान बन्ना गुप्ता ने कहा कि कोरोना काल में इस राज्य ने कई चुनौतियों का सामना किया।

नामकुम स्थित आइपीएच सभागार में नियुक्ति पत्र सौंपते सीएम हेमंत सोरेन।

राज्य की स्वास्थ व्यवस्था में हुआ बड़ा बदलाव : बन्ना गुप्ता

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि झारखंड में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ा बदलाव हुआ है। कोरोना जैसी विपरीत परिस्थितियों का सामना करके आगे बढ़े हैं। एमबीबीएस, आयुष और डेंटल के चिकित्सकों को नियुक्त किया गया। अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने कहा कि आज राज्य में कई महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत हुई है। 206 नए एंबुलेंस का संचालन होगा।

पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा को SC से मिली जमानत

RANCHI : झारखंड कैडर के निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। दरअसल, बुधवार को अभिषेक झा की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस संजय किशन कौल और सुधांशु धुलिया की बेंच में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने अभिषेक झा को अग्रिम जमानत दे दी है और उनके खिलाफ किसी भी तरह की पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी है। बता दें कि इससे पहले कई बार कोर्ट ने अभिषेक झा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अभिषेक झा ने अग्रिम जमानत के लिए पहले झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। लेकिन हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। मालूम हो कि ईडी मनरेगा घोटाले और मनी लांड्रिंग मामले में पूजा सिंघल और उनके पति आरोपी हैं। अग्रिम जमानत पिछली सुनवाई के दौरान अभिषेक के अधिवक्ता ने अदालत को बताया था कि वह कारोबारी है। उनकी बेटी बीमार है। बेटी की देखभाल के लिए अग्रिम जमानत दी जाए।

1901 के बाद इस साल का जून रहा सबसे गर्म

AGENCY NEW DELHI : देश में करीब 122 सालों के बाद भारतीय प्रायद्वीप में जून का महीना सबसे गर्म रिकॉर्ड किया गया। जून के महीने में क्षेत्र में औसत अधिकतम तापमान 34.50 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारतीय प्रायद्वीप में सन 1901 के बाद जून में तीसरा सबसे अधिक औसत न्यूनतम तापमान 26.04 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ट्वीट के मुताबिक सन 1901 के बाद जून के दौरान पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में औसत अधिकतम तापमान साल 1979 में 34.47 डिग्री सेल्सियस, साल 1958 में 34.26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के अनुसार साल 2023 में जून के महीने में बारिश भी सन 1901 के बाद बेहद कम हुई। भारतीय प्रायद्वीप में जून में 88.6 मिमी बारिश हुई, जो 1901 के बाद से सबसे कम है। इस क्षेत्र में जून में सामान्य बारिश 161 मिलीमीटर होती है। इससे पहले 1976 में सबसे कम 90.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी सात और आठ जुलाई को 4 राज्यों का करेंगे दौरा

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 और 8 जुलाई को चार राज्यों का दौरा करेंगे। वह 7 जुलाई को छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश जाएंगे। 8 जुलाई को प्रधानमंत्री तेलंगाना और राजस्थान में रहेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री रायपुर, गोरखपुर, वाराणसी, वारंगल और बीकानेर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे और लगभग 50,000 करोड़ रुपये की 50 परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बुधवार को दी।

62 दिन के बाद मणिपुर में खुले स्कूल

सरकार के प्रयासों के बाद भी पहले दिन उपस्थिति बहुत कम

AGENCY IMPHAL : मणिपुर में शिक्षकों, अभिभावकों और छात्र समाज की सहमति पर 62 दिन के बाद बुधवार से स्कूल खुल गए। पहले दिन स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति नाममात्र की रही। पूरे राज्य में पहले दिन छात्रों की औसत उपस्थिति दर करीब 20 फीसदी रही। मणिपुर सरकार ने हिंसाग्रस्त राज्य में अधिकांश स्कूलों के लगभग दो महीने बंद रहने के बाद बुधवार से सामान्य रूप से कक्षाएं फिर से शुरू करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। सरकार के प्रयासों के बावजूद उपस्थिति आशानुरूप से कम है। शिक्षा विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि पहले दिन उपस्थिति दर काफी कम मात्र 20 फीसदी रही। इसके अलावा, राज्य के 96 स्कूलों में शरणार्थी शिविर खोले गए हैं। स्कूलों की सबसे बड़ी संख्या चुराचांदपुर जिले में है।

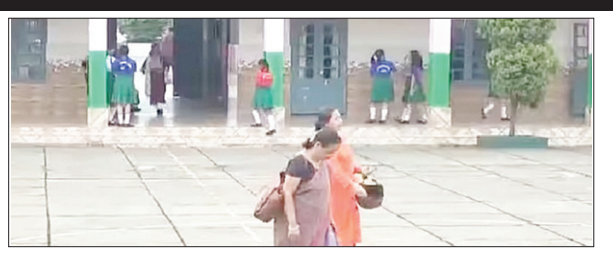

स्कूल खुलने के बाद परिसर में शिक्षक व बच्चे ● एजेंसी

इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध 10 जुलाई तक बढ़ा

मणिपुर सरकार ने हिंसा की वारदातों के बीच अफवाहों, वीडियो, फोटो और फर्जी संदेशों के प्रसार को रोकने के लिए एक बार फिर इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध को 10 जुलाई तक बढ़ा दिया है। राज्य सरकार ने हिंसा, हमले, आगजनी और गोलीबारी की छिटपुट घटनाओं को लेकर राज्य के डीजीपी की एक रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया गया। डीजीपी ने रिपोर्ट में यह भी लिखा कि राज्य में धीरे-धीरे शांति लौट रही है। सार्वजनिक एवं निजी संपति की क्षति तथा सांप्रदायिक सौहार्द को भंग होने से बचाने के लिए पुलिस सक्रिय है।

इसरो के बहुप्रतीक्षित मिशन चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग तैयारियां अंतिम चरणों में

13 जुलाई को रवाना होने के लिए चंद्रयान-3 तैयार

AGENCY NEW DELHI : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बहुप्रतीक्षित मिशन चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग को लेकर तैयारियां अंतिम चरणों में हैं। चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर रॉकेट एलवीएम-3 के साथ 13 जुलाई को चंद्रमा पर रवाना होने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चंद्रयान-3 लैंडर को बुधवार को इसरो श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र में हेवी लॉन्च रॉकेट पर असेंबल किया गया। चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर को वही नाम देने का फैसला किया है, जो चंद्रयान-2 के लैंडर और रोवर के नाम थे।

चंद्रयान-2 के बाद इस मिशन को चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग की क्षमता की जांच के लिए भेजा जा रहा है। चंद्रयान-2 मिशन आखिरी चरण में विफल हो गया था। उसका लैंडर पृथ्वी की सतह से झटके के साथ टकराया था, जिसके बाद पृथ्वी के नियंत्रण कक्ष से उसका संपर्क टूट गया था। चंद्रयान-3 को उसी अधूरे मिशन को पूरा करने के लिए भेजा जा रहा है। इसमें लैंडर के चंद्रमा की सतह पर उतरने के बाद उसमें से रोवर निकलेगा और सतह पर चक्कर लगाएगा। लैंडर का नाम विक्रम होगा जो भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई के नाम पर रखा गया है और रोवर का नाम प्रज्ञान होगा। चंद्रयान-2 के लैंडर और रोवर के भी यही नाम रखे गए थे।

इसरो अधिकारियों के मुताबिक चंद्रयान-2 मिशन फेल होने के बाद का ही अगला प्रोजेक्ट चंद्रयान-3 है, जो चंद्रमा की सतह पर उतरेगा और परीक्षण करेगा। यह चंद्रयान-2 की तरह ही दिखेगा, लेकिन चंद्रयान-3 का फोकस चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंड करने पर है। मिशन की सफलता के लिए नए उपकरण बनाए गए हैं, एल्गोरिदम को बेहतर किया गया है। चंद्रयान-2 मिशन जिस वजह से असफल हुआ था, उन पर इस प्रोजेक्ट में फोकस किया गया है। चंद्रयान-3 को लॉन्च करने का ऐलान चंद्रयान-2 के लैंडर-रोवर के दुर्घटनाग्रस्त होने के चार साल बाद हुआ है।

चंद्रयान-3 मिशन के जुलाई में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रमा के उस हिस्से तक लॉन्च होने की उम्मीद है, जिसे डार्क साइड ऑफ मून कहते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यह हिस्सा पृथ्वी के सामने नहीं आता। चंद्रयान -3 का उद्देश्य चंद्र सतह पर एक सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग और रोविंग क्षमताओं का प्रदर्शन करना है। चंद्रयान-3 को एक लैंडर, एक रोवर और एक प्रणोदन मॉड्यूल को मिलाकर बनाया गया है, जिसका कुल वजन 3,900 किलोग्राम है। अकेले प्रणोदन मॉड्यूल का वजन 2,148 किलोग्राम है जो लैंडर और रोवर को 100 किलोमीटर की चंद्र कक्षा में ले जाएगा।

इसरो श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र में चंद्रयान-3 रॉकेट ● एजेंसी

गाजा पर दूसरे दिन भी इजराइली अटैक, 12 फिलिस्तीनियों की मौत

TEL AVIV-YAFO : इजराइल और फिलिस्तीन के बीच जेनिन शहर में 2 दिन से जारी तनाव के बाद मंगलवार को इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक से पीछे हटना शुरू कर दिया। सेना के 2 दिन के ऑपरेशन में करीब 12 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, वहीं 100 से ज्यादा घायल हुए हैं। इस रेड के दौरान एक इजराइली सैनिक की भी मौत हो गई। अल जजीरा ने बताया कि इजराइल के ऑपरेशन ने जेनिन में रिफ्यूजी कैंप को तबाह कर दिया। इलाके में मौजूद घर, सड़कों और कारों का मलबा हर जगह फैल गया। इसके बाद मंगलवार देर रात गाजा पट्टी से इजराइल पर मिसाइल फायर की गई। हमलों को देखते हुए सदर्न इजराइल में अलर्ट सायरन बजाया गया और आयरन डोम को एक्टीवेट कर दिया गया।

BRIEF NEWS

आदिवासी युवक के साथ अमानवीय घटना के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

PALAMU : मध्य प्रदेश में आदिवासी युवक के साथ अमानवीय घटना के खिलाफ पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में एवं जिला अध्यक्ष जैश रंजन उर्फ बिट्टू पाठक की अध्यक्षता में बुधवार की शाम स्थानीय छह मुहान पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का पुतला दहन कर जोरदार प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस जनों ने कहा कि भाजपा सरकार शर्म करो और गद्दी छोड़ो। जिला अध्यक्ष ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा सत्ता के नशे में चूर है। अहंकारी भाजपा कार्यकर्ता द्वारा आदिवासी युवक पर पेशाब करने की घटना ने पूरे देश को शर्मसार किया है। यह घटना भाजपा शासन में आदिवासियों को प्रताड़ित एवं अपमानित करने की चरम सीमा है। उनके झूठे आदिवासी प्रेम का पदार्फाश करना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से 20 सूत्री उपाध्यक्ष विमला कुमारी, प्रदेश सचिव लक्ष्मी नारायण तिवारी, शमीम अहमद राइन, ओमप्रकाश अमन, ईश्वरी प्रसाद सिंह, भिकारी राम, हसन जैदी, अरविंद पासवान, अशोक पासवान, विश्राम दुबे, रिजवान खान, नसीम खान, नफीस खान, सिद्धनाथ प्रसाद गुप्ता, नसीम हैदर, जितेंद्र कमलापुरी, विद्याश्री चेरो, मिथिलेश कुमार सिंह समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी गुवाहाटी रवाना

RANCHI : झारखंड में लोकसभा चुनाव की रणनीति का खाका छह जुलाई को गुवाहाटी में बनेगा। इसे लेकर भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी बुधवार को वे गुवाहाटी के लिए रवाना हुए, जहां वे पूर्वी भारत की सांगठनिक इकाइयों की बैठक में शामिल होंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में बाबूलाल मरांडी के अलावा झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेई, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास और भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा भी शामिल होंगे। केंद्रीय नेतृत्व ने पूर्वी भारत के सभी राज्यों की सांगठनिक इकाइयों की बैठक बुलाई है, जिसमें झारखंड की भी 14 लोकसभा सीटों की स्थिति को लेकर विचार-विमर्श होगा। झारखंड के अलावा बिहार बंगाल ओडिशा समेत उत्तर-पूर्व के राज्यों के प्रमुख नेता इस बैठक में भाग लेंगे। लोकसभा चुनाव के लिए सीटवार रणनीति बनाई जाएगी। सत्तारूढ़ गठबंधन की तैयारी को भी ध्यान में रखा जाएगा। जून महीने में चलाए गए महा जनसंपर्क अभियान की भी समीक्षा की जाएगी।

पीयूष गोयल ने खाद्य मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में राज्यों के प्रयासों को सराहा

NEW DELHI : केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को खाद्यान्नों की खरीद और वितरण के लिए राज्य और केंद्रशासित प्रदेश सरकारों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को सहकारी संघवाद की भावना से केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए। गोयल ने आज नई दिल्ली में खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) द्वारा आयोजित 'राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के खाद्य मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन' की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। मंत्री ने सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों से बकाया राशि पर अपने लंबित दावे शीघ्रता से केंद्र सरकार के पास जमा करने का अनुरोध किया ताकि उनका जल्द से जल्द निपटान किया जा सके। सम्मेलन में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति और अश्विनी कुमार चौबे, 35 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के 17 खाद्य मंत्री और अधिकारी और खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार के अधिकारी उपस्थित थे। सम्मेलन के दौरान पीयूष गोयल ने एक नया चीनी-इथेनॉल पोर्टल भी लॉन्च किया।

PM MODI RAIPUR में 7500 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण-शिलान्यास

AGENCY RAIPUR : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 7 जुलाई शुक्रवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 7500 करोड़ रुपये की विकास कार्यों की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री मोदी रायपुर में 07 जुलाई को सुबह करीब 10:45 बजे एक सार्वजनिक कार्यक्रम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे।

जानकारी के अनुसार, अवसंरचना विकास को बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री लगभग 6,400 करोड़ रुपये की पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। राष्ट्र को समर्पित की जाने वाली परियोजनाओं में शामिल हैं- जबलपुर-जगदलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के रायपुर-कोडेबोड़ खंड की 33 किमी. लंबी 4 लेन वाली सड़क आदि। पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा, यह खंड, जगदलपुर के निकट स्थित इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चे माल तथा तैयार उत्पादों की आवाजाही का अभिन्न अंग है और लौह अयस्क समृद्ध क्षेत्रों से परिवहन सम्पर्क की सुविधा प्रदान करता है। प्रधानमंत्री एनएच-130 के बिलासपुर-अंबिकापुर खंड के 53 किलोमीटर लंबे बिलासपुर-पथरापाली खंड पर निर्मित 4-लेन की सड़क का लोकार्पण करेंगे। यह उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच परिवहन सम्पर्क को बेहतर बनाने में मदद करेगा और आसपास के क्षेत्रों में स्थित कोयला खदानों को परिवहन की सुविधा प्रदान करके कोयले की आवाजाही को बढ़ावा देगा।

प्रधानमंत्री 6-लेन वाले ग्रीनफील्ड रायपुर-विशाखापत्तनम कॉरिडोर के छत्तीसगढ़ खंड के लिए तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। इनमें शामिल है- एनएच-130 सीडी पर 43 किलोमीटर लंबे छह लेन वाले झांकी-सरगी खंड का विकास; एनएच-130 सीडी पर 57 किलोमीटर लंबे छह लेन वाले सरगी-बसनवाही खंड का विकास और एनएच-130 सीडी पर 25 किलोमीटर लंबे छह लेन वाले बसनवाही-मारंगपुरी खंड का विकास। 2.8 किलोमीटर लंबी 6-लेन सुरंग एक प्रमुख घटक है- उदंती वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में वन्यजीवों के आसान आवागमन के लिए 27 रास्ते और 17 बंदर छतरियों का निर्माण। इन परियोजनाओं से धमतरी स्थित चावल मिलों और कांकेर के बॉक्साइट समृद्ध क्षेत्रों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी और इससे कोंडागांव के हस्तशिल्प उद्योग को भी लाभ होगा। कुल मिलाकर, ये परियोजनाएं क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी।

प्रधानमंत्री 103 किलोमीटर लंबी रायपुर-खरियार रोड रेल लाइन के दोहरीकरण को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिसे 750 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया गया है। इससे बंदरगाहों से छत्तीसगढ़ के उद्योगों के लिए कोयला, इस्पात, उर्वरक और अन्य वस्तुओं का परिवहन आसान हो जाएगा। वे केवटी-अंतागढ़ को जोड़ने वाली 17 किलोमीटर लंबी नई रेलवे लाइन भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। 290 करोड़ रुपये की लागत से विकसित नई रेलवे लाइन भिलाई स्टील प्लांट को दल्ली राजहरा और रावघाट क्षेत्रों की लौह अयस्क खदानों से परिवहन सुविधा प्रदान करेगी और घने जंगलों से होकर दक्षिणी छत्तीसगढ़ के दूरदराज के इलाकों को जोड़ेगी।

प्रधानमंत्री कोरबा में 130 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित 60 हजार मीट्रिक टन प्रति वर्ष की क्षमता वाले इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के बॉटलिंग प्लांट को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत के अंतर्गत लाभार्थियों को 75 लाख कार्डों के वितरण की भी शुरूआत करेंगे।

प्रधानमंत्री 8 जुलाई को बीकानेर में 24,300 करोड़ की विकास परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण शिलान्यास

AGENCY JAIPUR : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 8 जुलाई को बीकानेर में राजस्थान के लिए 24,300 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शाम करीब सवा चार बजे बीकानेर पहुंचेंगे। वे यहां अमृतसर-जामनगर आर्थिक गलियारे के छह लेन वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे खंड का लोकार्पण करेंगे। राजस्थान में इस गलियारे की लंबाई 500 किलोमीटर से अधिक है, जो हनुमानगढ़ जिले के जाखड़ावाली गांव से जालोर जिले के खेतलावास गांव तक फैला है। इसे लगभग 11,125 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया गया है। इस एक्सप्रेसवे से यात्रा के समय में काफी कमी आएगी और प्रमुख शहरों एवं औद्योगिक गलियारों के बीच परिवहन सुविधा में सुधार होगा। एक्सप्रेसवे न केवल वस्तुओं के निर्बाध परिवहन की सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि इससे पर्यटन और आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री लगभग 10,950 करोड़ रुपये की लागत से हरित ऊर्जा गलियारे के लिए निर्मित अंतर-राज्य ट्रांसमिशन लाइन के चरण-क का लोकार्पण भी करेंगे। यह हरित ऊर्जा गलियारा लगभग 6 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा को एकीकृत करेगा और पश्चिमी क्षेत्र में ताप विद्युत उत्पादन और उत्तरी क्षेत्र में जल विद्युत उत्पादन के साथ नवीकरणीय ऊर्जा के ग्रिड संतुलन में मदद करेगा। जिससे उत्तरी क्षेत्र और पश्चिमी क्षेत्र के बीच ट्रांसमिशन क्षमता मजबूत होगी। प्रधानमंत्री बीकानेर-भिवाड़ी ट्रांसमिशन लाइन का भी लोकार्पण करेंगे। लगभग 1,340 करोड़ रुपये की लागत से पावर ग्रिड द्वारा विकसित की जाने वाली बीकानेर-भिवाड़ी ट्रांसमिशन लाइन राजस्थान में 8.1 गीगावॉट सौर ऊर्जा के उपयोग में मदद करेगी।

30 बिस्तरों वाले (ईएसआईसी) अस्पताल का होगा लोकार्पण

प्रधानमंत्री बीकानेर में 30 बिस्तरों वाले नए कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल का लोकार्पण करेंगे। इस अस्पताल में 100 बिस्तरों तक के विस्तार की क्षमता होगी। यह अस्पताल एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र के रूप में काम करेगा, स्थानीय समुदाय की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करेगा और सुलभ तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करेगा।

बीकानेर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की भी रखेंगे आधारशिला

प्रधानमंत्री बीकानेर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे। लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जाने वाले इस पुनर्विकास कार्य में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री 43 किलोमीटर लंबी चूरू-रतनगढ़ रेलखंड के दोहरीकरण की आधारशिला रखेंगे। इस रेल लाइन के दोहरीकरण से रेल परिवहन सुविधा का विस्तार होगा तथा बीकानेर क्षेत्र से देश के शेष हिस्सों तक जिप्सम, चूना पत्थर, खाद्यान्न व उर्वरक उत्पादों के परिवहन में आसानी होगी।

राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ हल्ला बोलेगी आजसू : देवशरण भगत

बैठक में उपस्थित आजसू के केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत व अन्य कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है। बिना सुविधा शुल्क के कोई काम नहीं होता। इससे आम जनता त्रस्त है। ऐसी स्थिति में आजसू पार्टी शांत नहीं रहेगी। भगत बुधवार को रांची के हरमू स्थित पार्टी मुख्यालय में रांची जिला समिति की बैठक में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रखंड मुख्यालयों में हल्ला बोल कार्यक्रम आयोजित कर सरकार का पदार्फाश करने का कार्य आजसू पार्टी करेगी। कार्यक्रम में उस क्षेत्र के पार्टी के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष संजय महतो ने जिला समिति के भावी कार्यक्रमों पर चर्चा एवं संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी जिला के पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये ।

कार्यक्रम में मंच का संचालन रांची जिला प्रवक्ता रोशन मुंडा ने किया। इस मौके पर चिरंजन महतो, श्याम कुमार महतो, गौतम साहू, जलनाथ चौधरी, बीरेंद्र सिंह भोक्ता, रामधन बेदिया सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश को कार्यकर्ताओं ने किया सम्मानित

RANCHI : रांची महानगर के भाजयुमो के कला और खेल प्रकोष्ठ के संयोजक आशुतोष द्विवेदी ने बुधवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश से उनके आवास पर मुलाकात की। तीन वर्षों के उनके सफल कार्यकाल के लिए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा नेता आशुतोष द्विवेदी ने उन्हें अंगवस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। द्विवेदी ने कहा कि भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद ने ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से अपना कार्यकाल को पूरा किया है। उन्होंने तीन वर्षों से पूरे प्रदेश से बूथ स्तर के सम्मानित कार्यकर्ताओं के साथ साथ संगठन को मजबूत करने का कार्य किया है। मौके पर राज्यसभा सांसद ने कहा कि मैं संगठन का एक सामान्य कार्यकर्ता हूं और हमेशा रहूंगा। भाजपा को मजबूत करने के लिए हम सभी उजार्वान कार्यकर्ताओं को एक साथ मिलकर झारखंड में पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार मिलकर बनाएंगे।

बाबूलाल मरांडी के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर रामगढ़ जिला पदाधिकारियों में हर्ष, सभी ने दी शुभकामनाएं

PHOTON NEWS RAMGARH : भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर रामगढ़ जिला में भाजपाइयों में हर्ष का माहौल देखा जा रहा है।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सत्यजीत चौधरी ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया की इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता ने बाबूलाल मरांडी को शुभकामनाएं देते हुए कहा है की एक जमीनी स्तर के आदिवासी नेता को झारखंड प्रदेश का अध्यक्ष बनाकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने देश के सभी आदिवासीयों का भरोसा जीत लिया है,इसके पहले भी एक आदिवासी महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति जैसा देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद देकर सम्मानित किया था जिसकी आज दुनियां तारीफ करती है।

इस अवसर पर जिले के वरिष्ट उपाध्यक्ष राजू चतुवेर्दी ने शुभकामना देते हुए कहा की एक आदिवासी समाज से आने वाले जमीनी स्तर के नेता बाबूलाल मरांडी को झारखंड प्रदेश का नेतृत्व सौप कर भाजपा ने ये बता दिया की देश का विकास इनके बिना संभव नहीं है,और अब झारखंड की राजनीति को एक नई दिशा मिलेगी जो आदिवासियों के हित में होगी।

उपाध्यक्ष अखिलेश प्रसाद ने इस खबर पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा की कार्यकताओं के बीच लोकप्रिय रहे एक वरिष्ट नेता के हाथों में प्रदेश की कमान देना पूरे झारखंड के लिए गर्व का विषय है इससे कार्यकताओं में ऊर्जा का संचार हुआ।

वहीं महामंत्री प्रो.खिरोधर साहू ने भी इसपर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा की मरांडी जी का प्रदेश अध्यक्ष बनने से आदिवासीयों का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ेगा और इससे पार्टी और मजबूत होकर उभरेगी।

शुभकामना देने वालों में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह रामगढ़ विधानसभा पूर्व प्रत्यासी रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह रामगढ़ जिले के प्रथम जिलाध्यक्ष प्रकाश मिश्रा,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अमरेंद्र गुप्ता,वरिष्ट नेता रंजीत सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि नारायण चंद्र भौमिक,महामंत्री रंजन फौजी, मंत्री सह मुखिया राजेंद्र कुशवाहा, वसूध तिवारी, दिलीप सिंह, रमेश वर्मा,किरण देवी,पूर्व नगर अध्यक्ष राजीव पामदत्त, मीडिया प्रभारी सत्यजीत चौधरी, आईटी सेल प्रभारी प्रवीण सोनू, सोशल मीडिया प्रभारी संतोष शर्मा, धीरज साहू, भीमसेन चौहान, विजय जयसवाल, मणिशंकर ठाकुर इत्यादि लोग शामिल थे।

शाह पहुंचे रायपुर, देर रात तक होगी महत्वपूर्ण बैठक

AGENCY RAIPUR : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सात जुलाई को राजधानी में होने वाली सभा से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बुधवार को शाम 7 बजे के आसपास रायपुर एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल समेत तमाम नेताओं ने किया। शाह प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पार्टी पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों और कोर ग्रुप की बैठक लेंगे।

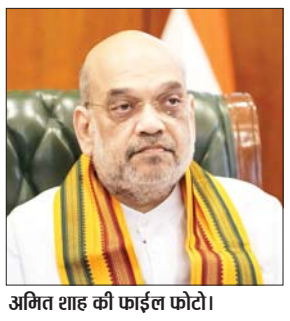

अमित शाह की फाईल फोटो।

बैठक में तय होगा कि आने वाले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी किन मुद्दों और किस अंदाज में जनता के बीच जाने वाली है।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह और कुछ सांसद-भाजपा विधायक शामिल होंगे। संगठन के चुनिंदा नेताओं को इस बैठक में बुलाया गया है। बड़े नेताओं से अमित शाह की चर्चा देर रात तक चल सकती है। अमित शाह प्रदेश कार्यालय में ही रात बिताएंगे और सुबह 11 बजे के आसपास उनके दिल्ली लौटने का कार्यक्रम तय है।

अमित शाह के दौरे की वजह से प्रदेश कार्यालय को सजाया गया है। सुरक्षा के लिहाज से प्रदेश कार्यालय जबरदस्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

अमित शाह की बैठक को लेकर ओम माथुर ने कहा कि चुनावी दौर शुरू है। अमित शाह संगठन की बैठक लेंगे। वह केंद्रीय मंत्री नहीं, भाजपा के नेता के रूप में आ रहे हैं। भाजपा बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर पर काम कर रही है। सभी बड़े नेताओं से चर्चा होगी।

बजरंग दल पूरे देश में साहसिक यात्रा निकालेगा : नीरज दौनेरिया

AGENCY AYODHYA : बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया अयोध्या पहुंचे। उन्होंने रामजन्मभूमि पर विराजमान श्रीरामलला सरकार का दर्शन-पूजन किया। बुधवार को कारसेवकपुरम में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान नीरज दौनेरिया ने कहा कि बजरंग दल पूरे देश में साहसिक यात्रा निकालेगा। केंद्रीय समिति की बैठक में बजरंग दल की साहसिक यात्रा का कार्यक्रम तय किया गया है।

उन्होंने बताया अमरनाथ की यात्रा एक साहसिक यात्रा है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य है कश्मीर के राजौरी, पुंछ जैसे आदि क्षेत्रों में हिंदुओं का पलायन न होने पाए। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों पहले यहां से बड़ी संख्या में हिंदुओं का पलायन हुआ था। लेकिन वर्तमान समय में यहां हिंदुओं की संख्या बढ़ी है। राजौरी, पुंछ में फिर से हिंदू बसे हैं। इसको इस क्षेत्र के लोगों ने भी माना है। इसमें बजरंग दल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा बजरंग दल ने चुना है कि अब राजौरी, पुंछ जैसे आदि क्षेत्रों में हिंदुओं का पलायन नही होने देंगे। इसको लेकर बजरंग दल पूरे देश में 17 अगस्त से लेकर 27 अगस्त तक बाबा अमरनाथ की यात्रा पर जायेगी। यात्रा के माध्यम से संपूर्ण देश में हिंदू युवाओं को बजरंग दल से जोड़ा जायेगा। क्षेत्र में जनजागरण का कार्यक्रम चलेगा। इसके अलावा पूरे देश में 30 सितंबर से लेकर 14 अगस्त तक शौर्य जनजागरण यात्रा महापुरूषों के स्थानों से निकाली जायेगी।

ASSAM CABINET में लोक हित में कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर लगाई गई मुहर

उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को सरकार देगी स्कूटी

- नौवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले 3,78,000 छात्रों को दी जाएगी साइकिल
- मुफ्त चावल वितरण योजना का 40 लाख नए लाभार्थियों को मिलेगा लाभ

AGENCY GUWAHATI : असम कैबिनेट में लोक हित में कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगा दी। असम कैबिनेट ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी और नौंवी पास विद्यार्थियों को साइकिल देने, मुफ्त चावल वितरित करने के लिए लाभार्थियों की आय सीमा बढ़ाने और राज्य में लघु उद्योग लगाने के लिए प्रथम तीन वर्ष लाइसेंस से मुक्त करने का निर्णय किया है।

कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते मंत्री जयंत मल्ल बरुवा।

बुधवार को कैबिनेट बैठक के बाद असम सरकार के मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने पत्रकार सम्मेलन को निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अरुणोदय योजना में सात लाख नए लाभार्थियों को जोड़ा जाएगा। इन लाभार्थियों को 10 सितंबर से 1250 रुपये प्रतिमाह दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने असम में वर्ष 2025 या वर्ष 2027 में नेशनल गेम्स के आयोजन के लिए ओलंपिक एसोसिएशन से अनुरोध करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि उच्चतर माध्यमिक परीक्षा 60 फीसदी अंकों से उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं एवं 75 फीसदी अंकों से उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को सरकार स्कूटी देगी। हालांकि, अगले वर्ष लड़का-लड़की 75 फीसदी अंक लाने वालों को ही स्कूटी दी जाएगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि नौवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले 3,78,000 छात्रों को साइकिल दी जाएगी। इसके लिए सरकार ने 168 करोड़ रुपये स्वीकृत किया है। कैबिनेट की बैठक में छह जनजातियों को कृषि विश्वविद्यालय के साथ ही एएनएम एवं जीएनएम ट्रेनिंग स्कूलों में आरक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी। इनमें मटक, मोरान, सुतिया, कोच राजवंशी, ताई अहोम तथा चाय जनजाति शामिल हैं।

कैबिनेट बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अब ढाई लाख रुपये वार्षिक आमदनी की जगह चार लाख रुपये वार्षिक आमदनी तक वालों को मुफ्त चावल दी जाएगी। इस प्रकार 40 लाख नए लोगों को राशन कार्ड के जरिए इस योजना में शामिल किया जाएगा। इस राशन कार्ड के जरिए आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सेवा भी मुफ्त उपलब्ध करवाई जाएगी। कैबिनेट की बैठक में स्कूल मैनेजमेंट कमेटियों में एक शिक्षक, दो पूर्व छात्र एवं एक निर्वाचित सदस्य को शामिल किया जाना अनिवार्य किया गया।

उन्होंने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि लघु उद्योग खोलने के लिए तीन वर्ष तक किसी भी प्रकार के लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होगी।

रामविलास पासवान की मनी 77वीं जन्मतिथि, कटा केक, बंटी मीठाईयां

PHOTON NEWS RAMGARH : लोक जनशक्ति पार्टी एवं दलित सेना के संस्थापक सह पूर्व मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान की 77 की जन्मतिथि बुधवार को धूमधाम से मनाई गई। रामगढ़ जिला के प्रधान महासचिव के आशीष गुप्ता के भुरकुंडा स्तिथ आवास पर आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत लोजपा एवं दलित सेना के संस्थापक सह पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान के तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद केक काटा गया और उपस्थित लोगों के बीच मिठाई का वितरण किया गया। मौके पर लोजपा रामगढ़ जिला अध्यक्ष केवल पासवान एवं प्रधान महासचिव आशीष गुप्ता ने स्वर्गीय रामविलास पासवान के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रामविलास पासवान के अधूरे सपनों

को पूरा करना हम सबका दायित्व है, और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी।

लोजपा जिला अध्यक्ष केवल पासवान ने कहा की वे आजीवन दबे, कुचले और वंचितों की आवाज बुलंद करते रहें। मौके पर

लोजपा ओबीसी मोर्चा के झारखण्ड प्रदेश प्रधान महासचिव उपेंद्र गुप्ता, गौतम कुमार, हंशा देवी, रेनू देवी, चिंता देवी, बबली देवी, बिंदु देवी, उषा देवी, चरकी देवी, मोनिता देवी, डोमनी देवी, गोलू कुमारी, सकून देवी, कलावती देवी सहित कई कार्यकर्ता मौजुद थे।

BRIEF NEWS

झाप्रसे के तीन अधिकारी बीडीओ के पद पर नियुक्त

RANCHI : राज्य सरकार ने प्रखंड पदाधिकारी के पद के लिए झारखंड प्रशासनिक सेवा के तीन अधिकारियों की सेवा ग्रामीण विकास विभाग को सौंपी हैं। इनमें पदस्थापन के लिए प्रतीक्षारत अनिल कुमार सिंह, शशिभूषण वर्मा, अनिल कुमार हैं। इस संबंध में कार्मिक प्रशासनिक सुधार राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। अब ग्रामीण विकास विभाग रिक्त बीडीओ के पद पर इन अधिकारियों की पोस्टिंग करेगा।

राज्य ई-स्पोर्ट्स तकनीकी सेमिनार अगस्त में

RANCHI : झारखंड में ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए गठित ई-स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ झारखंड के द्वारा अगस्त माह में राज्य तकनीकी सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए एसोसिएशन के महासचिव शशांक भूषण सिंह ने बताया कि एशियन खेलो में शामिल इस खेल के विकास की असीमित संभावनाएं है। ई-स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त यह संगठन शीघ्र ही झारखंड के विभिन्न जिलों में इसका विस्तार करेगी। श्री सिंह ने बताया कि झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त इस खेल के सेमिनार से इसके खिलाड़ियों के बीच तकनीकी जागरूकता आएगी और खेल का विकाश सम्भव हो पायेगा।

डीजीपी ने नव प्रोन्नत एडीजी को बैज लगाकर किया सम्मानित

RANCHI : डीजीपी अजय कुमार सिंह ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय में नव प्रोन्नत एडीजी प्रिया दुबे को बैज लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एडीजी मुख्यालय मुरारी लाल मीणा, आईजी मुख्यालय मनोज कौशिक, आईजी (मानवाधिकार) अखिलेश झा, आईजी अभियान अमोल विणुकांत होमकर, आईजी (प्रोविजन) प्रभात कुमार सहित अन्य कई अधिकारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि गत तीन जुलाई को 1998 बैच की आईपीएस प्रिया दुबे को एडीजी रैंक में प्रोन्नति देते हुए एडीजी प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण के पद पर पदस्थापित किया था। इस संबंध में गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग अधिसूचना जारी की थी।

चौथे दिन भी फेल रहा सिस्टम नहीं हुई एक भी रजिस्ट्री

RANCHI : रांची समेत राज्य के सभी रजिस्ट्री कार्यालयों में लगातार चौथे दिन भी कामकाज पूरी तरह से ठप रहा। बुधवार को कार्यालय खुलने के बाद काफी संख्या में अधिवक्ता और आम लोग अपना कार्य कराने रजिस्ट्री ऑफिस पहुंचे, लेकिन सर्वर की परेशानी के कारण किसी का काम नहीं हुआ। अगस्त महीने में रांची समेत पूरे राज्य में निबंधन के शुल्क में बढ़ोतरी होनी है, उससे पहले कई लोग घर, जमीन ,फ्लैट समेत अन्य दस्तावेजों की रजिस्ट्री कराने की उम्मीद लिए रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचे थे, लेकिन उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया। वहीं दूर-दराज से आये लोगों को भी काफी परेशानी हुई ।तकनीकी परेशानी की वजह से आधार वेरिफिकेशन समेत रजिस्ट्री के लिए की जाने वाली कोई भी ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। जिसके कारण एक भी रजिस्ट्री नहीं हो पाई। यही स्थिति झारखंड के सभी रजिस्ट्री कार्यलयों में रही। रांची, हिनू और कांके स्थित रजिस्ट्री ऑफिस में दस्तावेजों के निबंधन के लिए दिन भर लिंक आने का इंतजार करते रहे। उम्मीद की जा रही है कि गुरुवार से सर्वर की समस्या दूर कर ली जाएगी और कार्य पहले की तरह सुचारु रूप से चलेगा।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

3000 करोड़ भूमि-मुआवजा घोटाला : ED-CBI व सरकार ने HC में जवाब के लिए मांगा समय

कोर्ट ने दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने का दिया निर्देश, 9 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

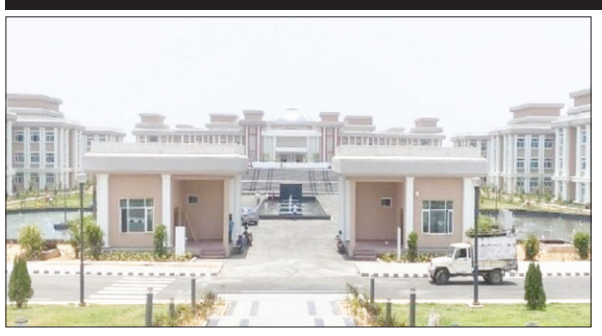

SPECIAL REPORTER RANCHI : हजारीबाग में एनटीपीसी के लिए हुए भूमि अधिग्रहण मामले के दौरान कथित रूप से हुए तीन हजार करोड़ के भूमि-मुआवजा घोटाला की जांच के लिए दायर जनहित याचिका पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सीबीआई, ईडी और राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया। जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने दो सप्ताह में सभी पक्षकारों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब अदालत 9 अगस्त को इस मामले में सुनवाई करेगा। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ ने मंटू सोनी की याचिका पर सुनवाई की। मंटू सोनी की ओर से अधिवक्ता अभिषेक कृष्ण गुप्ता और मदन कुमार ने पक्ष रखा। दरअसल, हजारीबाग में भूमि-मुआवजा से संबंधित गड़बड़ियों के सामने आने के बाद वर्ष 2016 में तत्कालीन उपायुक्त मुकेश कुमार की अनुशंसा पर, राज्य सरकार ने रिटायर्ड आईएएस देवाशीष गुप्ता की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एसआईटी टीम गठित की थी। एसआईटी की टीम ने राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट में 3000 करोड़ के भूमि मुआवजा घोटाले किए जाने और 300 करोड़ मुआवजा बांट दिए जाने की जानकारी दी थी। प्रार्थी के मुताबिक, राज्य सरकार द्वारा कार्रवाई के नाम पर अब तक सिर्फ एनटीपीसी के प्रबंध निदेशक और हजारीबाग उपायुक्त को पत्राचार किया गया है। वहीं देवाशीष गुप्ता की अध्यक्षता वाली एसआईटी की रिपोर्ट फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। जानकारी के मुताबिक, रिपोर्ट में कई रसूखदारों द्वारा सरकारी गैर-मजरुआ खास-आम भूमि, सार्वजनिक उपयोग की जाने वाली जमीन, श्मशान घाट, स्कूल, मैदान आदि जमीनों का भी फर्जी कागजात बनाकर मुआवजे का बंदरबांट किया गया था।

पलामू, गढ़वा और लातेहार में अवैध माइनिंग की जांच मामले में नहीं आयी प्रधान महालेखाकार की रिपोर्ट, हाईकोर्ट ने दिया एक और मौका

RANCHI : पलामू, गढ़वा और लातेहार में अवैध माइनिंग से संबंधित मामले को लेकर पंकज कुमार यादव की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में प्रधान महालेखाकार, झारखंड को मामले में की गई जांच की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक और मौका दिया है। कोर्ट के आदेश के बावजूद अब तक प्रधान महालेखाकार का जांच रिपोर्ट कोर्ट में नहीं आ सका था। मामले की अगली सुनवाई 26 जुलाई को होगी। पूर्व में कोर्ट ने इस मामले में प्रधान महालेखाकार को प्रतिवादी बनाया था। पूर्व में ही इस मामले में गठित 3 सदस्य के कमेटी की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की जा चुकी है। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पैरवी की। दरअसल, यह मामला एक संचालक से माइनिंग चलाने के लिए माइनिंग विभाग के अधिकारी द्वारा 20 लाख रुपए की मांग से जुड़ा है। इस मामले में डिप्टी डायरेक्टर रैंक के एक अधिकारी की भूमिका बताई गई है, लेकिन उनके खिलाफ जो जांच हुई उसे बाद में जांच को बंद कर दिया गया था। प्रार्थी का कहना था पलामू सहित कुछ जिलों में अवैध माइनिंग में अरबों का पैसों का खेल चलता है। इसकी रोकथाम होनी चाहिए। सरकार के जो अधिकारी इस अवैध माइनिंग में संलिप्त हैं उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

चाईबासा में मनरेगा घोटाला मामले में राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का दिया निर्देश

RANCHI : चाईबासा में मनरेगा घोटाला कि सीबीआई जांच को लेकर मतलूब आलम की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं हो सका। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 25 जुलाई को होगी। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पैरवी की। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि इससे संबंधित मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) में जो प्राथमिकी दर्ज की गई थी उसकी वर्तमान में जांच की क्या स्थिति है। कोर्ट ने संदर्भ में राज्य सरकार से जवाब मांगा था।

क्या है मामला

प्रार्थी की ओर से की ओर से कोर्ट को बताया गया था वित्तीय वर्ष 2008-9, 2009-10, 2010-11 में चाईबासा में करीब 28 करोड़ रुपए का मनरेगा घोटाला हुआ है। इसे लेकर चाईबासा में पुलिस ने 14 एफआईआर दर्ज की थी। बाद में एसीबी ने मामले में भी पीइ दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया था , लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। चाईबासा में उक्त 3 वित्तीय वर्षों में मनरेगा कार्यों में अग्रिम राशि का भुगतान तो कर दिया गया था लेकिन कोई काम धरातल पर नहीं हुआ था। उस समय चाईबासा के डीसी के श्रीनिवासन थे। बता दें कि चाईबासा में मनरेगा में घोटाला की जांच को लेकर प्रार्थी ने वर्ष 2013 में जनहित याचिका दाखिल की थी, बाद में कोर्ट ने इस मामले को निष्पादित कर दिया था। इसके बाद में प्रार्थी की ओर से वर्ष 2021 में फिर से जनहित याचिका दाखिल कर मामले की सीबीआई जांच की मांग की गई है।

डायन बिसाही में हत्याओं पर सरकार से स्टेटस रिपोर्ट तलब

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में डायन बिसाही के नाम पर हो रही हत्याओं पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है कि इस मामले में पूर्व में हाईकोर्ट ने जितने निर्देश दिए हैं, उनका पालन किया गया है, या नहीं ? अदालत के किन-किन निदेशों का पालन किया गया है इसकी विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने सरकार से यह भी बताने को कहा है कि इस तरह के मामले में अब तक क्याकार्रवाई की गई है। कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है। केस दर्ज होने के बाद समय पर

चार्जशीट दाखिल की जाती है या नहीं? हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ में अब इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 26 जुलाई की तिथि निर्धारित की है। बुधवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि सरकार को इस गंभीर मामले से निपटने के लिए पूरी कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

झारखंड में हर दिन MURDER, RAPE, लूट व फिरौती के लिए अपहरण की हो रही 12 घटनाएं

SUHAIB ANSARI, RANCHI : झारखंड में हर दिन हत्या, दुष्कर्म, लूट और फिरौती के लिए अपहरण की 12 घटनाएं हो रही है। जनवरी 2019 से लेकर अप्रैल 2023 तक (1560 दिन) राज्य के विभिन्न जिलों में हत्या, दुष्कर्म, लूट और फिरौती के लिए अपहरण की कुल 17724 घटनाएं हुई है। जिनमें सबसे अधिक हत्या और दुष्कर्म की घटनाएं हुई है।

किस साल कितनी हुई हत्या की घटनाएं

साल	हत्या की घटना
2019	1929
2020	1756
2021	1730
2022	1712
2023 (अप्रैल तक)	556
कुल	7751

किस साल कितनी हुई दुष्कर्म की घटनाएं

साल	दुष्कर्म की घटनाएं
2019	1693
2020	1640
2021	1537
2022	314
2023 (अप्रैल तक)	145
कुल	6937

किस साल कितनी हुई लूट की घटनाएं

साल	लूट की घटनाएं
2019	654
2020	663
2021	700
2022	718
2023 (अप्रैल तक)	153
कुल	2888

किस साल कितनी हुई फिरौती के लिए अपहरण

साल	अपहरण की घटनाएं
2019	37
2020	28
2021	36
2022	34
2023 (अप्रैल तक)	16
कुल	148

मोबाइल छिनतई करने वाले गिरोह के चार सदस्य को पुलिस ने दबोचा

मौज मस्ती के लिए नाबलिग करते थे मोबाइल की छिनतई

CRIME REPORTER RANCHI : नामकुम थाना की पुलिस ने शहर के अलग अलग क्षेत्र में मोबाइल छिनतई की घटना को अंजाम देने के आरोप में संजीव कुमार, समीर कुमार और दो नाबलिग को पकड़ा है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने बताया कि संजीव और समीर कोकर इलाके के रहने वाले हैं। वहीं दोनों नाबालिग मौज मस्ती के लिए मोबाइल की छिनतई करते थे। मोबाइल की छिनतई करने के बाद मोबाइल को काफी कम पैसा में बेच देते थे और उसी पैसा से पार्टी करते थे। तीन जुलाई को नामकुम इलाके में युवती सुशीला कुमार अपने मोबाइल से बात करते हुए जा रही थी। तभी एक बाइक पर संजीव ,समीप और एक नाबालिग पहुंचा और युवती का मोबाइल छीनकर फरार हो गए। पुलिस ने घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी का फुटेज खंगाला तो एक आरोपी संजीव की पहचान हो गई। संजीव के निशानदेही पर सभी आरोपियों को पकड़ा गया। आरोपियों के पास से छिनतई किया हुआ नौ मोबाइल बरामद किया गया है। पुलिस का कहना है कि इन आरोपियों के द्वारा दर्जनों मोबाइल बेच दिया गया है। आरोपियों ने जहां जहां मोबाइल बेचा है इसका सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के पास से एक बाइक मिली है। बाइक भी चोरी की है।

अवैध खनन मामला : ED ने पत्थर कारोबारी कृष्णा साहा को किया अरेस्ट

CRIME REPORTER RANCHI : साहेबगंज जिले में हुए 1000 करोड़ के अवैध खनन की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रही है। इस मामले को लेकर साहिबगंज के पत्थर कारोबारी कृष्णा साहा को ईडी ने बुधवार को लंबी पूछताछ के बाद रात के 9.30 बजे गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि बीते एक जुलाई को कृष्णा साहा को ईडी ने समन भेजकर रांची स्थित जोनल कार्यालय में पांच जुलाई को उपस्थित होने को कहा था।

सुबह 9.30 बजे ही पहुंचे थे ईडी दफ्तर

ईडी ने कृष्णा साहा को दिन के 11 बजे ईडी के जोनल कार्यालय में हाजिर होने को कहा था, समन मिलने के बाद कृष्णा बुधवार को सुबह के 9.30 में ही ईडी दफ्तर चले गए ताकि उन्हें अंदर जाते कोई देख न सके। ईडी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कृष्णा के दफ्तर पहुंचने के बाद उन्हें बाहर वाले कक्ष में बिठाया गया और दिन के 11 बजे से उनसे पूछताछ शुरू हुई। साहिबगंज में हुए अवैध खनन मामले में कृष्णा के पास कई अहम जानकारियां हैं, जिसको लेकर ईडी ने उनसे कई सवाल किए। कृष्णा साहा मुख्यमंत्री के बरहेट विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के बेहद करीबी हैं। पिछले साल 8 जून 2022 को पंकज मिश्रा सहित कुल 15 लोगों के ठिकाने पर ईडी ने छापेमारी की थी। जिन 15 लोगों के ठिकानों पर छापेमारी हुई थी। उसमें कृष्णा भी शामिल थे।

अपराधियों को घर जाने की थी जानकारी, सड़क पर ब्रेकर होने का उठाया फायदा

बाइक सवार अपराधियों ने कमल भूषण के अकाउंटेंट को गोलियों से भूना, मौत

CRIME REPORTER RANCHI : सुखदेव नगर थाना क्षेत्र स्थित रातू रोड़ में बुधवार को अपराधियों ने अकाउंटेंट संजय कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। सुखदेव नगर थानेदार विनोद कुमार ने बताया कि संजय कुमार मृत जमीन कारोबारी कमल भूषण का अकाउंटेंट था। कमल भूषण हत्याकांड में संजय कुमार गवाह था। कमल की हत्या होने के बाद सारा काम संजय कुमार देखता था। बुधवार को शाम चार बजे संजय कार्यालय में कर्मचारियों के बोला कि वह घर से खाना खा कर आ रहा है। संजय काली मंदिर के पास पहुंचा और सड़क पर ब्रेकर होने की वजह से उसने अपनी बाइक को धीरे किया। बाइक जैसे धीरे हुई तो एक बाइक पर तीन युवक पीछे से पहुंचे और तबातोड़ फायरिंग करने लगे। संजय को चार गोली लगी बाकी गोली दिवार पर जाकर लगी। संजय कुमार की मौत मौके पर ही हो गई। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस संजय को अस्पताल लेकर गई लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संजय देवी मंडप रोड में रहता था। संजय के घर में पत्नी और दो बच्चे थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद पूरा परिवार रिम्स पहुंचा लेकिन संजय से कोई बातचीत नहीं हो पाई।

घटनास्थल पर मौजद पुलिस व इनसेट में संजय कुमार की फाइल फोटो।

घटना स्थल पर पुलिस को नहीं मिला फुटेज

सुखदेव नगर पुलिस का कहना है कि गोलीबारी होने के बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। घटना स्थल पर सीसीटीवी नहीं मिला। इस वजह से पुलिस को फुटेज नहीं मिल पाया। चार सौ मीटर की दूरी पर एक कैमरा लगा हुआ था। लेकिन पुलिस को वहां के कैमरा से कुछ अहम सुराग नहीं मिल पाया। पुलिस ने घटना स्थल पर लोगों से पूछताछ की तो लोगों ने बताया कि गोली मारने में तीन युवक शामिल थे। लेकिन कुछ युवक और मौजूद थे जो रेकी कर रहे थे। पुलिस आशंका जता रहा है कि इस हत्याकांड के पीछे पुरानी दुश्मनी या फिर जमीन का विवाद हो सकता है। पुलिस दोनों बिंदु पर गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस को घटना स्थल से संजय कुमार का मोबाइल नहीं मिला है। पुलिस आशंका जता रही है कि अपराधी संजय का मोबाइल लेकर फरार हो गए है।

जमीन कारोबारी कमल भूषण की भी रातू रोड में हुई थी हत्या

पुलिस का कहना है कि जमीन कारोबारी कमल भूषण की भी हत्या रातू रोड़ में पिछले वर्ष जून माह में हुई थी। कमल भूषण की हत्या करने के आरोप में पुलिस ने उसके दामाद राहुल समेत कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। राहुल के घरवालों का आरोप था कि कमल की बेटी से शादी करने के बाद कमल पूरे परिवार को परेशान करता था। पुलिस इस मामले को भी हत्याकांड से जोड़कर देख रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि कमल भूषण की हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी अभी भी जेल में बंद हैं। सिमलिया में एक जमीन को लेकर विवाद होने की चर्चा अकाउंटेंट संजय कुमार की हत्या होने के बाद कई जमीन कारोबारी रिम्स पहुंचे थे। जमीन कारोबारी आपस में चर्चा कर रहे थे कि सिमलिया स्थित एक जमीन को लेकर संजय का विवाद चल रहा था। इस जमीन को लेकर उसे धमकी भी दी गई थी। संजय अकसर प्राइवेट गार्ड के साथ घर आना जाना करता था लेकिन बुधवार को बिना गार्ड के वह घर निकल गया था। पुलिस हर बिंदु पर गंभीरता से जांच करेगी तो पूरे मामले का खुलासा हो जाएगा। पुलिस का कहना है कि कमल भूषण की हत्या होने के बाद जमीन और दूसरे काम का देखरेख संजय करता था।

रांची हिंसा: पुलिस ने हिंदपीढ़ी और डोरंडा इलाके के 40 आरोपियों का मांगा वारंट

CRIME REPORTER RANCHI : पिछले वर्ष दस जून को हुई रांची हिंसा के 40 से ज्यादा आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी हो सकती है। इसके लिए पुलिस ने कोर्ट से वारंट की मांग की है। पुलिस ने वारंट के लिए दिए गए प्रार्थना में कहा है कि अभियुक्तों के खिलाफ केस टू (सत्य) पाया गया है। कांड के अनुसंधान के क्रम में सभी प्राथमिकी और अप्राथमिकी अभियुक्तों को धारा-41(ए) के तहत तीन-तीन नोटिस भेजा जा चुका है, लेकिन सभी गिरफ्त से बाहर हैं।

पुलिस ने एक आरोपी को भेजा जेल

RANCHI : डेली मार्केट थाना की पुलिस ने बुधवार को मेन रोड़ हिंसा मामले में एक आरोपित अमन मंसूरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस इस मामले में अभी तक 40 से अधिक लोगों को जेल भेज चुकी है। पुलिस का कहना है कि अमन की पहचान काफी पहले हो गई थी। अमन की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही थी लेकिन वह घर से फरार था। पुलिस को सूचना मिली कि अमन मोहल्ले में घूम रहा है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसे पकड़ कर थाना ले आई।

कस्टमर केयर बनकर उड़ाए 1.98 लाख

RANCHI : एयरटेल डिजिटल टीवी कस्टमर केयर के नाम से फोन कर ठगी करने का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। इस संबंध में चेशायर होम रोड निवासी महेंद्र कुमार यादव ने सदर थाने में साइबर अपराधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि अपराधियों ने एचडीएफसी बैंक से कुल एक लाख 98 हजार 949 रुपये तीन बार में उड़ा लिए।

BRIEF NEWS

टीबी मरीजों को उपलब्ध कराया गया पोषण किट

RAMGARH : प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत निक्षय पोषण योजना के तहत बुधवार को सदर अस्पताल रामगढ़ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत निक्षय पोषण योजना के तहत उपायुक्त रामगढ़ सुश्री माधवी मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ स्वराज, एनपीसीसीएफ कंसलटेंट डॉक्टर पल्लवी, अस्पताल प्रबंधक श्री अतिंद्र उपाध्याय सहित अन्य अधिकारियों, चिकित्सकों एवं कर्मियों द्वारा टीबी मरीजों को उपचार के दौरान पोषण किट उपलब्ध कराने हेतु गोद लिया गया है। इसी क्रम में बुधवार को सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार सहित अन्य चिकित्सकों एवं अधिकारियों के द्वारा जिले में चिन्हित टीबी मरीजों को पोषण किट उपलब्ध कराया गया।

अभाविप के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा अधिकारी से मुलाकात कर सौंपा मांग पत्र

RAMGARH : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रामगढ़ जिला के एक प्रतिनिधिमंडल ने रामगढ़ जिला शिक्षा अधिकारी से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा। गांधी स्मारक टू उच्च विद्यालय रामगढ़ में सीबीसीएस लागू होने से रामगढ़ शहर के छात्र छात्राओं को नामांकन में हो रही समस्या को देखते हुए विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि ने मुलाकात की। जिला शिक्षा अधिकारी ने आश्वासन दिया कि सीट बढ़ा दिया जाएगा और शहर के छात्रों को पढ़ने का मौका मिलेगा। गौतम कुमार महतो ने कहा कि रामगढ़ शहर में दो सरकारी इंटर कॉलेज थे। पहला रामगढ़ महाविद्यालय रामगढ़ जो पहले ही इंटर नामांकन बंद कर दिया गया है और दूसरा गांधी स्मारक प्लस टू स्कूल रामगढ़ जो इस विद्यालय में लगभग 1300 छात्र छात्रा पढ़ते थे। सीबीसीएस सिस्टम लागू होने से केवल 360 छात्रों का पढ़ने का सीट है। इसी को देखते हुए यह विद्यार्थी परिषद मांग कर रहा है कि सीट बढ़ाया जाए अन्यथा आंदोलन किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश एसएफडी संयोजक गौतम कुमार महतो, जिला संगठन मंत्री विक्रम राठौर, जिला सह संयोजक राजेश दास, राजकुमार साव आदि छात्र उपस्थित रहे।

खूंटी के सरना स्थल में बलि के बाद शुरू हुआ खेती-किसानी का काम

KHUNTI : तोरपा प्रखंड के राजस्व ग्राम बड़काटोली शांति नगर स्थित बहा सरना स्थल में गांव के पाहन दीवा तोपनो और पाहन जेम्स तोपनो की अगुवाई में बुधवार को सरना माता की परंपरागत तरीके से पूजा-अर्चना और बलि देने के बाद कृषि कार्य की शुरूआत की गई। साथ ही बताउली कोदेलेटा, होन बा और छोटा सरहुल भी मनाया गया। पाहन दीया टोपनो और जेम्स टोपना ने कहा कि अच्छी बारिश और फसल के लिए कृषि कार्य के पूर्व सरना स्थल पर बलि दी जाती है। मुण्डा आदिवासी इस पर्व को आदि कल से ही पूरे नेग दस्तूर और सामाजिक रीति-रिवाज के साथ से मनाते आ रहे हैं। बताउली बोंगा में ही पूरे गांव में रोपाई, कोडाई, निकाई आदि कार्यों के लिए मजदूरी का निर्धारण किया जाता है। पाहनों ने बताया कि आदिवासी समाज में धान रोपाई की मजदूरी के रूप में रोपणी खत्म के बाद शाम को धान दिया जाता था। उस दिन शाम को घर में सामूहिक भोज होता था।

देवघर की एमपी माइनिंग में विस्फोट, एक की मौत, दूसरा घायल

DEOGHAR : जिले के जसीडीह औद्योगिक क्षेत्र में एमपी माइनिंग एंड एनर्जी लिमिटेड फैक्टरी में लोहा गलाने के दौरान ब्लास्ट हो गया। इसमें एक मजदूर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा मजदूर गंभीर रूप से झुलस गया। आनन-फानन में घायल मजदूर को निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। मृतक सीमावर्ती बिहार के झाझा का निवासी रामा नंद पासवान है जबकि घायल मजदूर का संतोष कुमार है।

DHANBAD के चांदमारी कोल डंप में दो गुट भिड़े, चली गोलियां

दो गुटों के भिड़ंत में गेलियां चलाता युवक। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS DHANBAD : जिले में एक बार फिर कोयला वर्चस्व की जंग हुई। कोयला उठाव के लिए बुधवार को आमने-सामने हुए दो गुटों के बीच कई राउंड फायरिंग हुई। साथ ही पथराव भी किया गया है, जिसमें कई लोग घायल बताए जा रहे है। सीआईएसएफ सहित अलग-अलग पांच थानों की पुलिस मौके पर स्थिति संभाल रही। घटना धनसार थाना क्षेत्र के बस्ताकोला कोलियरी स्थिति चांदमारी कोल डंप की है।

बताया जाता है कि चांदमारी कोल डंप पर आज से ट्रकों में कोयला लोडिंग का काम होना था। इसी कोल उठाव को लेकर दो गुट आमने-सामने हो गए। देखते ही देखते दोनों गुट एक दूसरे पर हमलावर हो गए। इसी दौरान एक गुट ने फायरिंग शुरू कर दी, जिससे भगदड़ मच गई। इसके बाद दोनों गुट एक दूसरे पर पत्थरबाजी करने लगे, जिसमें कई लोगों के घायल होने की भी बात कही जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही धनसार, झरिया, बैंक मोड़, बोर्रागढ़ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। इसी दौरान सीआईएसएफ के जवानों ने भी मौके पर मोर्चा संभाला। इसके बाद पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। पुलिस को मौके से सात खोखा भी मिला है। फिलहाल मौके पर स्थिति सामान्य बनी हुई है।

साहिबगंज : 15 लाख की लॉटरी टिकट के साथ युवक गिरफ्तार

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : राधानगर पुलिस ने बुधवार को थाना क्षेत्र के हरेराम टोला गांव में छापेमारी कर 15 लाख के अवैध लॉटरी टिकट के साथ मनीष रजक को गिरफ्तार किया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

पुलिस पूछताछ में मनीष रजक ने बताया कि वह हरेराम टोला निवासी कुंदन साहा का लॉटरी टिकट बेचता है। इसके बदले उसको हर दिन पांच सौ रुपये बतौर कमीशन मिलता है। कुंदन साहा का नाम आते ही राधानगर पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। फिलहाल कुंदन साहा घर से फरार बताया जा रहा है।

LATEHAR में महिला की हत्या के तीन आरोपियों को जेल

गिरफ्तार आरोपी व जानकारी देती पुलिस। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS LATEHAR : पुलिस ने चंदवा थाना क्षेत्र के हेसालोंग गांव निवासी महिला की हत्या का खुलासा करते हुए उसके ससुराल पक्ष के तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह जानकारी बुधवार को थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में इंस्पेक्टर बबलु कुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि दो जुलाई को हेसालोंग गांव में कलावती देवी का शव फंदे पर लटकता हुआ मिला था। मृतका के ससुराल वाले इसे आत्महत्या करार दे रहे थे लेकिन उसके मायके वालों ने बेटी की हत्या कर फंदे पर लटकाए जाने का अंदेशा जताया था और हत्या का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने संदेह के आधार पर महिला के ससुराल पक्ष के लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो आरोपितों ने स्वीकार किया कि ससुराल वालों ने ही महिला की हत्या की है।

आरोपितों ने पुलिस को बताया कि कलावती देवी का पति पिछले कई दिनों से जेल में बंद है। ऐसे में वह ससुराल से अलग एक घर में रहती है। उन लोगों को संदेह था कि महिला का संबंध गैर पुरुष से है। इसी मामले में उसकी हत्या की गई और इसे आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे पर लटका दिया गया।

ट्रक ने साइकिल सवार को रौंदा, मौत

आक्रोशित ग्रामीण व परिजनों ने किया पतरातू-रांची मुख्य मार्ग जाम

शव के रखकर सड़क जाम करते ग्रामीण ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH : पतरातू डैम स्थित शंकर ढाबा के समीप पतरातु-रांची मुख्य मार्ग में बुधवार को उचरिंगा निवासी सह होटल ग्रीन वैली के संचालक 55 वर्षीय नरेश सिंह को एलपी ट्रक ने अपने चपेट में ले लिया। दुर्घटना में घटनास्थल पर ही नरेश सिंह की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार नरेश सिंह होटल से साइकिल लेकर सड़क पर निकले ही थे कि रांची की ओर से तेज रफ्तार से आ रही एलपी ट्रक एमएच 40 एके 7127 ने अपनी चपेट में ले लिया।

इस दौरान साइकिल समेत साइकिल सवार ट्रक के अगले हिस्से में फंस गया और ट्रक साइकिल को लगभग 100 मीटर तक घसीटता रहा। सड़क किनारे राहगीरों के शोर मचाने पर एलपी ट्रक रुकी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पतरातू पुलिस घटनास्थल पर पहुंच ट्रक चालक और उप चालक को अपने कब्जे में ले लिया। वहीं दुर्घटना में हुई मौत पर उचरिंगा गांव के आक्रोशित ग्रामीणों ने पतरातु-रांची मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। ग्रामीणों द्वारा दुर्घटना में हुई मौत पर उचित मुआवजा की मांग की जा रही थी। साथ ही आक्रोशित लोगों द्वारा पतरातू बीडीओ व सीओ से आश्रितों के लिए मुआवजा सहित सड़क पर स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की जा रही थी। घटनास्थल में पतरातू थाना प्रभारी रघुनाथ सिंह, एएसआई दिनेश तिवारी सहित सशस्त्र बल मौजूद थे।

उरीमारी पुलिस ने चोरी की 12 मोटरसाइकिल के साथ तीन युवकों को किया गिरफ्तार, भेजा

उरीमारी ओपी मे बरामद मोटरसाइकिल और गिरफ्तार युवक। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH : उरीमारी ओपी पुलिस ने छापामारी कर चोरी के 12 मोटरसाइकिल के साथ तीन युवको को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस मोटरसाइकिल चोरी में शामिल एक अन्य युवक की गिरफ्तारी के लिये छापामारी अभियान चला रही है।

उरीमारी ओपी में प्रेस कांफ्रेस कर ओपी प्रभारी शशि भुषण कुमार ने बताया कि हजारीबाग एसपी को गुप्त सुचना मिली थी कि उरीमारी ओपी क्षेत्र में चोरी का मोटरसाइकिल बेचा जा रहा है। एसपी के निर्देश पर क्षेत्र में लगातार छापामारी और वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी बीच पिछले चार जुलाई को गुप्त सुचना मिली थी कि बडकागांव थाना क्षेत्र के लुरूंगा गांव निवासी प्रेम तुरी जो वर्तमान में जरजरा चौक स्थित प्रज्ञा केन्द्र के समीप सीसीएल क्वार्टर में रहता है। पिछले कुछ महीनों से चोरी का मोटरसाईकिल लाकर लोगों को बहला फुसला कर सही मोटरसाईकल बताकर बेच देता है। छापामारी कर प्रेम तुरी के क्वार्टर से चार चोरी का मोटरसाईकिल बरामद किया गया। साथ ही प्रेम तुरी ने दो मोटरसाईकिल उरीमारी ओपी क्षेत्र के दो लोगों को झांसे में लेकर मोटरसाइकिल बेचने की बात स्वीकार की। चोरी का मोटरसाईकिल होने की सूचना पाकर उक्त दोनो लोग अपनी-अपनी मोटरसाईकिल उरीमारी ओपी में लाकर सुपूर्द कर दिये।

पूछताछ के क्रम में प्रेम तुरी ने बताया कि इसका संबंध कटिया, पंच मंदिर कॉलोनी थाना पतरातू निवासी राजा पाल नामक व्यक्ति से हैं। जो रांची, रामगढ़ एवं हजारीबाग जिला से मोटरसाईकिल चोरी करके देता है। जिसे यह सही मोटरसाईकिल बताकर लोगों को गुमराह करके बेच देता है। इस काम में इनके साथ दो और लोग सौंदा बस्ती, काली मंदिर भुरकुण्डा ओपी क्षेंत्र निवासी विजय सेन एवं उरीमारी जामुन टोला, उरीमारी ओपी क्षेत्र निवासी राहुल कुमार प्रजापति भी हैं। पुलिस राहुल कुमार प्रजापति और विजय सेन के घर छापामारी की गई। उक्त दोनों लोगों के घर से तीन-तीन मोटरसाईकिल बरामद किया गया। पुलिस ने चोरी का कुल 12 मोटरसाईकिल जिसमें 5 टीवीएस आपाची, 1 होंडा साईन, 1 होंडा होरनेट, 1 हिरो होण्डा सीडी डील्क्स, 1 स्पेलण्डर, 3 होंडा एक्टीवा स्कूटी बरामद किया गया। अभियुक्त राजा पाल की गिरफ्तारी के लिये छापामारी की जा रही है। छापामारी अभियान मे उरीमारी थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार, सअनि रसिक किस्कु सहित सशस्त्र बल शामिल थें।

सड़क निर्माण के लिए जमीन देनेवाले रैयतों को पांच साल बाद भी नहीं मिला मुआवजा

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पंजीकृत सीएसपी का शहरी इलाके में संचालन

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के छत्तरपुर प्रखंड अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक के कोड संख्या 2927 के तहत सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की सुविधा के लिए पंजीकृत करीब 30 ग्राहक सेवा केंद्रों (सीएसपी) का वर्षों से शहरी क्षेत्र में संचालन होने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है।

केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सीएसपी के रूप में बैंकिंग सेवा शुरू करायी गई थी, जो कि सुदूरवर्ती गांव के लोगों को शहर में आने से होने वाली परेशानी से निजात दिलाने के लिए पंचायत और गांव स्तर पर उक्त ग्राहक सेवा केन्द्र (सीएसपी) खोले गए थे, लेकिन एसबीआई प्रबंधक की मिलीभगत से सभी सीएसपी केंद्रों का संचालन शहर स्थित बैंकों के आस पास ही कराए जा रहे हैं, जिससे सुदूरवर्ती इलाकों के लोगों को बैंकिंग कार्यो से शहर आने जाने में काफी मुश्किलों से गुजरना पड़ रहा है।

इसे लेकर कई बार पलामू उपायुक्त, भारतीय स्टेट बैंक के रीजनल मैनेजर (आरएम) को भी अवगत कराया गया, जबकि छत्तरपुर के अनुमंडल पदाधिकारी ने स्वयं संज्ञान में लेते हुए शाखा प्रबंधक छत्तरपुर को उक्त सभी ग्राहक सेवा केंद्रों का संचालन लोकेशन एरिया पंचायत व गांव स्तर पर ही संचालित कराने का सुझाव दिया था। बावजूद इसके ब्रांच मैनेजर के कान पर आज तक जू नहीं रेंगी। इसकी शिकायत पंचायत के मुखिया व पंचायत समिति एवं वार्ड सदस्यों ने भी की थी, जिस पर आजतक कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

PHOTON NEWS KHUNTI : जिले में कोई भी विकास कार्य के लिए जमीन देने से गांव के लोग ऐसे ही नहीं कतराते हैं। मुआवजे के लिए उन्हें कितना पापड़ बेलना पड़ता है, उसे तो जमीन देनेवाले रैयत ही जानते हैं। मरचा मोड़ से सोदे तक 35.70 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण के लिए जमीन देनेवाले किसान रनिया अंचल कार्यालय, भू अर्जन विभाग खूंटी और राची सचिवालय की दौड़ लगाते थक चुके हैं।

मुआवजा भुगतान के लिए अधिकारियों पर दबाव बनाने को लेकर मरचा-रनिया-सोदे पथ निर्माण मुआवजा संघर्ष समिति का गठन भी किया गया है। इसमें सेवानिवृत्त शिक्षक रामटहल कांशी को अध्यक्ष बनाया गया और शिव अवतार सिंह को महासचिव। समिति का एक प्रतिनिधिमंडल गत चार जुलाई को भी पथ निर्माण विभाग के सचिव सुनील कुमार से मिलने गया था, लेनिक सचिव से मुलाकात नहीं हो सकी। वहां बताया गया मुआवजे के लिए सरकार द्वारा 102 करोड़, छह लाख, 67 हजार की स्वीकृति दी गई है, लेकिन रकम काफी कम है। इसलिए फिर से प्राक्कलन बनाया जा रहा है।

समिति के अध्यक्ष रामटहल कांशी, शिव अवततार सिंह और असफ कोंगाड़ी ने बताया कि उन्हें आश्वस्त किया गया है कि एक सप्ताह के अंदर विभागीय स्वीकृति मिल जाएगी और उसे कैबिनेट में भेज दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2018-19 में ही सरकार ने जमीन तो ले ली और सड़क का निर्माण भी पूरा हो गया, लेकिन पांच साल तक मुआवजे का भुगतान नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि मुआवजा नहीं मिलने के कारण सैकड़ों किसान गंभीर आर्थिक कठिनाई से जूझ रहे हैं। रामटहल कांशी ने बताया कि पथ निर्माण विभाग द्वारा मुआवजे से संबंधित फाइल 23 जून 2021 को ही विभाग के सचिव को भेज दी गई है, लेकिन दो साल के बाद भी इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई।

डॉ निर्मल कुमार के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का अयोजन

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ जिला पेंशनर कल्याण समाज के कैंप कार्यलय (अनुमंडल परिसर) में दिनांक 5.7.2023 दिन बुधवार को रामगढ़ जिला पेंशनर कल्याण समाज के संरक्षक डॉ निर्मल कुमार बनर्जी के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का अयोजन किया गया। शोक सभा की अध्यक्षता जिला अध्यक्षता आशुतोष कुमार सिंह द्वारा की गई। सर्वप्रथम श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

शोक सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने डाक्टर निर्मल कुमार बनर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि रामगढ़ जिला के शिक्षा के विकाश में डाक्टर बनर्जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साथ ही वे विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े थे। उनका आकस्मिक निधन जिला पेंशनर कल्याण समाज के लिए ही नही बल्कि पूरे रामगढ़ जिला के लिए अपूरणीय क्षति है।

गोला पेंशनर कल्याण समाज के वयोवृद्ध अध्यक्ष ने कहा कि निर्मल निर्मल हृदय के व्यक्ति एवम कर्मवीर थे। शोक सभा में उपस्थित सभी पेंशनरों ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण किया।

अंत में जिला के पेंशनरों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से उपाध्यक्ष वृंदावन सिंह, बलराम सिंह, पन्ना लाल राम, अशोक गुप्ता, दिलीप साहा, छुन्नू साहू, दुखहरण पोद्दार, रामस्वरूप खन्ना, भुनेश्वर ठाकुर, कुमेश्वर महतो, लाल बहादुर चौधरी, बासुदेव प्रसाद, बालेश्वर प्रसाद, शिव वचन पाठक, बालगोविंद करमाली, मननारायण सिंह, देवशरण महतो, विजय कुमार उपाध्याय, रामप्रसाद महतो आदि उपस्थित थे ।

उपायुक्त Madhavi Mishra की अध्यक्षता में हुई आधारभूत संरचनाओं एवं परियोजनाओं की समीक्षा

अधिकारियों को दिये कई आवश्यक निर्देश

बैठक में शामिल उपायुक्त माधवी मिश्रा व अन्य अधिकारी। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH : आधारभूत संरचना एवं विभिन्न परियोजनाओं के तहत बुधवार को उपायुक्त रामगढ़ माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने बरलांगा कसमार सड़क निर्माण के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में कार्य प्रगति की जानकारी लेने के उपरांत कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने एवं शत प्रतिशत मुआवजे का भुगतान सुनिश्चित करने के संबंध में योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने सांडी-रजरप्पा मार्ग में बाकी बचे कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया।

चुट्टूपालू घाटी में सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर बैठक के दौरान उपायुक्त ने एनएचआई के अधिकारियों को एंबुलेंस, क्रेन सहित आकस्मिक परिस्थिति में इस्तेमाल किए जाने वाले अन्य उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित रखने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने जुडको, पथ निर्माण विभाग, पीवीयूएनएल, टिस्को, सीसीएल सहित अन्य परियोजनाओं के अधिकारियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए एफआरए, एनओसी, जमीन अधिग्रहण सहित लंबित मामलों की जानकारी लेने के उपरांत जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए उनके निष्पादन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने विभिन्न परियोजनाओं में अधिग्रहित किए गए जमीन के लंबित मुआवजे के भुगतान की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द मुआवजा भुगतान करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने अंचलवार अंचल अधिकारियों से उनके उनके क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं में भूमि सहित अन्य मामलों के तहत हो कार्यों की जानकारी लेने के उपरांत मामलो पर कार्रवाई करते हुए ससमय उनका निष्पादन करने का निर्देश दिया।

समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी परियोजनाओं के अधिकारियों को किए जा रहे कार्यों के दौरान आने वाली समस्याओं से जिला प्रशासन को नियमित रूप से अवगत कराने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान वन प्रमंडल पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त सह अपर समाहर्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता, भू अर्जन पदाधिकारी, जिला जनसंख्या पदाधिकारी, विभिन्न परियोजनाओं के महाप्रबंधक, जिला स्तरीय अधिकारियों, अंचल अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

डीसी ने बालू के अवैध कारोबारियों पर मामला दर्ज करने के दिए निर्देश

PHOTON NEWS DHANBAD : उपायुक्त संदीप सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक न्यू टाउन हॉल में आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कोयले के अवैध खनन, परिवहन, भंडारण के रोकथाम व कोयले के अवैध खनन में संलिप्त लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज करने के लिए दिशा निर्देश दिए।

उपायुक्त ने बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनियों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया। थाना प्रभारियों को निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा कि वे नियमित रूप से औचक पेट्रोलिंग करें। कोयला चोरी की एफआईआर दर्ज करते समय बीसीसीएल प्रबंधन से संलिप्त व्यक्ति या व्यक्तियों का नाम, वाहन मालिक का नाम सहित सभी आवश्यक जानकारी प्राप्त करें। नियमित रूप से छापेमारी, जब्ती, कोयला चोरी में संलिप्त लोगों की गिरफ्तारी जारी रखें।

बैठक के दौरान बीसीसीएल, सीआइएसएफ या आउटसोर्सिंग कंपनियों के पदाधिकारियों के साथ मारपीट करने की घटना पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही ऐसी हरकत करने वालों की विशेष सूची तैयार करने तथा उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया।

बीसीसीएल के निदेशक तकनीकी ने बताया कि कोयला चोरी को रोकने के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा के प्रबंध किए हैं। विभिन्न क्षेत्र में ड्रोन से निगरानी की जाती है। 1200 सीसीटीवी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग किया जा रहा है। माइन्स के प्रवेश एवं निकासी पर सीआइएसएफ की निगरानी रहती है। कुछ क्षेत्रों में निजी सुरक्षा गार्ड की तैनाती की गई है।

BRIEF NEWS

JAMSHEDPUR में डेंगू के 3 संदिग्ध मरीज मिले, अस्पताल में भर्ती

JAMSHEDPUR : शहर के अलग-अलग इलाकों में डेंगू के 3 संदिग्ध मरीज मिले हैं। इसमें टिनप्लेट कंपनी का एक कर्मचारी और 2 महिलाएं शामिल हैं। एक टिनप्लेट कॉलोनी के रहने वाले हैं, जबकि दो आस्था टाउन सिटी और टेल्को कॉलोनी के निवासी हैं। सभी का इलाज टिनप्लेट अस्पताल में चल रहा है। सर्विलांस विभाग ने तीनों संदिग्धों का ब्लड सैंपल लेकर जांच में मेडिकल कॉलेज का लैब भेजा है। तेज बुखार के बाद तीनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अब लौहनगरी के कलाकारों को मिलेगा नया पंख

JAMSHEDPUR : लौहनगरी अब कलाकारों का गढ़ बनते जा रहा है। यहां एक से बढ़कर एक फिल्म व एल्बम का निर्माण हो रहा है। बीते सालों में एक से बढ़कर एक कलाकार अपनी कला से सबकी ध्यान अपनी ओर खींच रहे है। लगभग एक दर्जन से ज्यादा ऑडियो स्टूडियो खुल चूके है। आधे दर्जन स्टूडियो का निर्माण भी चल रहा है। इस क्रम में बुधवार को शहर में एक नये ऑडियो रिकॉर्डिंग स्टूडियो ' आर्यन रिकॉर्ड्स' का उद्घाटन हुआ। स्टूडियो का उद्घाटन मुख्य अतिथि व देश के मशहूर ऑडियो कंपनी 'सारेगामा हम भोजपुरी' के बिजनेश हेड बद्री नाथ झा फीता काटकर किया। उद्घाटन के मौके पर उन्होंने कहा कि शहर के कलाकारों में बहुत प्रतिभा है, जरूरत है उन्हें झिझक दूर कर मेहनत करने की। उन्होंने कहा कि यहाँ के कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा साथ खड़ा हूं। इस अवसर पर 'आर्यन रिकॉर्ड्स' के चेयर मैन आर्या शर्मा ने कहा कि लौह नगरी के कलाकारों के सपने को पंख देने के लिए इस ऑडियो स्टूडियो की शुरूआत हुआ है। उन्होंने बताया कि झारखण्ड और जमशेदपुर के कलाकारों में काफी प्रतिभा है। जरूरत है इसे निखारने की। उन्होंने कहा कि पटना, दिल्ली और मुंबई के बाद जमशेदपुर में आर्या रिकॉर्ड् का शाखा खोला गया है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी के साथ नागपुरी, बंगाली, खोरठा, पंजाबी आदि भाषाओं में संगीत तैयार होगा। उन्होंने कहा कि अब यहाँ के कलाकारों को कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं है। अब लौहनगरी में ही उन्हें उचित मंच मिलेगा। इस अवसर पर नितेश यादव, आर्यन कुशवाहा, उदय साहू, मनोज पांडे, सुमित कुमार, अभिषेक पांडे, आशीष विश्वकर्मा, सुनील सहाय, विकेश,प्रीति मेहंदी हसन, मनोज श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में मौलिक सुविधाएं पहुंचाए प्रशासन : आयुक्त

अद्यतन स्थिति के बारे में पदाधिकारियों से की गई समीक्षा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : प्रमंडलीय आयुक्त सिंहभूम मनोज कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को पश्चिम सिंहभूम जिले के सभागार में प्रमंडल में संचालित विकास कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित कि गयी। बैठक में आयुक्त ने पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में संचालित विकास कार्यों और योजनाओं की क्रमवार समीक्षा की और उसके अद्यतन प्रतिवेदन के सम्बंध में भी जानकारी प्राप्त की। आयुक्त के द्वारा विगत बैठक में दिए गए

अधिकारियों के साथ बैठक करते प्रमंडलीय आयुक्त • फोटोन न्यूज

निर्देश के अनुपालन की अद्यतन स्थिति के बारे में भी पदाधिकारियों से समीक्षा की गई। आयुक्त ने विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सरायकेला को विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से सुनिश्चित करने तथा किसी भी समस्या का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों की भी जानकारी विभागीय पदाधिकारियों से प्राप्त की।

आयुक्त मनोज कुमार ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र में प्रशासन और पुलिस आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए आधारभूत मौलिक सुविधाएं जन-जन तक पहुंचाए और सुदूरवर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों को मुख्यधारा में जोड़ने का कार्य करें। बैठक में प्रमंडलीय आयुक्त के द्वारा विशेष रुप से प्रमंडल के दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पेयजल और मोबाइल कनेक्टिविटी पर विशेष रूप से जोर दिया गया।

मरीजों का दर्द देख डॉ नागेंद्र ने पांच गांवों को लिया गोद

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : गंगा मेमोरियल हास्पिटल के सर्जन डा. नागेंद्र सिंह ने चार सबर मरीजों की मुफ्त सर्जरी कर उनकी जान बचाई। दरअसल, डॉ. नागेंद्र सिंह डुमरिया प्रखंड के रंगामटिया गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाने पहुंचे थे। इस शिविर में जांच कराने के लिए रंगामाटिया, केंदुआ, लखाईडीह, दंपाबेड़ा व अतनाबेड़ा के कुल 226 सबर पहुंचे थे। इसमें 27 ऐसे मरीज मिले जो कई गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। इस दौरान किसी के पेट में पत्थर था तो किसी के गर्दन में ट्यूमर था। एक बच्चे के सिर अपेक्षा से काफी बड़ा हो गया था। वहीं, एक महिला के गर्दन में बीते 13 साल से ट्यूमर था, जिससे वह दर्द से परेशान रहती थी। दर्द की

मरीजों के साथ डॉ नागेंद्र सिंह • फोटोन न्यूज

वजह से भोजन करना भी बंद कर दिया था। इन सभी मरीजों का डा। नागेंद्र सिंह ने निश्शुल्क इलाज किया है। बुधवार को सभी मरीजों को एंबुलेंस से वापस भेजा जाएगा। डा. नागेंद्र सिंह ने सबर जनजाति की स्थिति को देखते हुए पूरे गांव को गोद लेने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि उन पांचों गांवों के किसी भी सबर व्यक्ति की तबीयत खराब होगी तो वह बिल्कुल निश्शुल्क इलाज करेंगे। पहले चरण में चार मरीजों का इलाज उन्होंने किया है। इसमें दो वर्षीय आकाश सबर का सिर अपेक्षा से काफी बड़ा हो गया था। इसे हाइड्रोसिफेलस बीमारी कहा जाता है। न्यूरो सर्जन के देखरेख में इसका इलाज शुरू हो गया है। दवा का कोर्स पूरा होते ही उसका सर्जरी किया जाएगा।

अपराधियों ने युवक को मारी गोली, मौत

पुलिस ने कहा मामला आपसी रंजिश का, जल्द अपराधियों को करेंगे गिरफ्तार

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर मे अपराधी बेलगाम हो गए हैं। उनमें पुलिस का कोई डर नहीं है। यही वजह है कि शहर में आए दिन अपराध की घटनाएं हो रही हैं। बुधवार को भी कुछ ऐसा हुआ जब अंत्येष्टि में शामिल होने जा रहे एक युवक को अपराधियों ने दिनदहाड़े गोली मार दी। घायल युवक को स्थानीय लोगों ने टाटा मोटर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां युवक की मौत इलाज के दौरान हो गयी। यह घटना जमशेदपुर के गोविन्दपुर थाना क्षेत्र की है। जहां खाकरीपाड़ा एसडी स्कूल के समीप अश्विनी कुमार (28 वर्ष) नामक युवक को बाइक सवार अपराधियों ने

उस वक्त गोली मार दी। मिली जानकारी के अनुसार अश्विनी अपने किसी रिश्तेदार के यहां शेषनगर में अंत्येष्टि कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

गोली मारने वाला का नाम दीपक झा:

गोली अश्विनी के कंधे में लगी, जिसे स्थानीय लोगों ने टाटा मोटर्स अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

बताया जा रहा है कि अश्विनी को गोली मारने वाले का नाम दीपक झा जो पेशेवर अपराधी है। उसी ने अश्विनी पर गोली चलाई। मिली जानकारी के अनुसार अश्विनी का दीपक से पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा था और दोनों ने एक दूसरे को देख लेने की धमकी दी थी। यह घटना उसी कड़ी का एक हिस्सा है।

जल्द गिरफ्तार होंगे अपराधी:

वहीं इस पूरे मामले की जांच में पुलिस जुट गयी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों को गिरफ्तार कर दिया जाएगा। पुलिस की मानें तो पहली नजर में यह मामला आपसी रंजीश का लगता है। लेकिन सही कारण का पता जांच से ही चलेगा।

गाड़ियों में आग लगाने वाला गिरोह सक्रिय, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष की इनोवा समेत दो वाहनों में लगाई आग

मंगलवार देर रात की घटना, सीसीटीवी में कैद हुए अपराधी, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में इन दिनों गाड़ियों को आग लगाने वाला गिरोह सक्रिय है। यह गिरोह रात में निकलता है और घर के बाहर खड़ी गाड़ियों में आग लगाकर फरार हो जाता है। मंगलवार देर रात जमशेदपुर के दो अलग-अलग क्षेत्रों में इस प्रकार की घटना सामने आई है। बीती रात दो अलग-अलग घटनाओं में शरारती तत्वों ने दो वाहनों में आग लगा दी। पहली घटना तो गोलमुरी थाना क्षेत्र की है। जहां भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार के इनोवा में शरारती तत्वों ने आग लगा दी।

गाड़ी जलकर हुई राख • फोटोन न्यूज

सीसीटीवी फुटेज आया सामने:

मिली जानकारी के अनुसार उनकी गाड़ी जलकर पूरी तरह राख हो गई है। दूसरी घटना सोनारी थाना क्षेत्र की है। जहां नर्स क्वार्टर के बाहर खड़ी वैगनआर गाड़ी में किसी शरारती तत्व ने आग लगा दी।

सोनारी की घटना में शामिल युवक की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस की मानें तो जल्द ही अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा। वैसे अहम सवाल यह है कि आखिर कौन है जो शहर की सड़कों पर घनी आबादी के बीच वाहनों में आग लगा रहा है।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने बताया इसे साजिश का हिस्सा:

उधर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार ने इसे राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया है। उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाई करने की मांग की है।

बागबेड़ा व मानगो में भी इस प्रकार की हो चुकी है घटना:

विदित हो कि शहर की सड़कों पर घनी आबादी के बीच वाहनों में आग लगाने की घटना इससे पहले भी घट चुकी है। बता दें कि इससे पूर्व बागबेड़ा और मानगो में इस तरह की घटना घट चुकी है। यहां भी बदमाश गाड़ियों में आग लगाकर फरार हो गए थे।

चोरी की BIKE के साथ एक गिफ्तार

समाजसेवी पप्पू सिंह ने इंस्पेक्टर को गुलदस्ता देकर किया सम्मानित

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : अक्सर पुलिस विभाग पर उनके देर से काम को लेकर हमेशा कोसा जाता है। लेकिन हमेशा ऐसा नहीं होता है। ऐसा ही एक मामले में मानगो थाना ने तत्परता दिखाते हुए एक चोरी हुई बाइक को 24 घंटे के अंदर बरामद कर बाइक के मालिक को सौंप दिया। पुलिस ने बाइक को पश्चिम बंगाल के पुरलिया जिले के बड़ा बाजार इलाके से बरामद कर लिया। पिछले मंगलवार को मानगो के समतानगर से बाइक की चोरी हो गई थी। पुलिस ने बाइक की बरामदगी के साथ इसमें संलिप्त चोर को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की तत्परता को देखते हुए कांग्रेस नेता व समाजसेवी पप्पु सिंह ने मानगो इंस्पेक्टर को सम्मानित किया। इससे पहले बाईक की चोरी को लेकर कांग्रेस नेता पप्पू सिंह ने बाइक की जल्दी बरामदी के लिए मानगो थाना में शिकायत भी दर्ज

इंस्पेक्टर को सम्मानित करते समाजसेवी • फोटोन न्यूज

कराई थी। मानगो थाना पुलिस ने इस मामले मे तत्परता दिखाते हुए 24 घंटो के अंदर बाईक को बरामद कर लिया गया। इस अवसर पर पुलिस के त्वरित करवाई की सरहाना करते हुए पप्पू सिंह ने मानगो थाना के इंस्पेक्टर कों गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। साथ ही आगे भी अपराध नियंत्रण हेतु इसी गति से करवाई की अपील भी की। इस मौके पर अभिनंदन सिंह, छोटू रावत, वीरू कुमार, शिबू, नंदी ,छोटन कुमार आदि उपस्थित थे।

काली अग्रवाल इंटर सिटी टॉपर बनी

- जमशेदपुर के 68 छात्रों ने सीए और 73 ने सीए इंटर परीक्षा की उत्तीर्ण

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने बुधवार 5 जुलाई को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) फाइनल और इंटरमीडिएट मई 2023 परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए। जमशेदपुर शाखा से कुल 240 छात्र अंतिम परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 68 छात्रों ने सीए परीक्षा उत्तीर्ण की। स्वास्तिका चेतानी सिटी टॉपर बनी। कई छात्र पहले या दूसरे समूह (सीए फाइनल) के लिए भी उपस्थित हुए, जिनमें से कुल 39 छात्र उत्तीर्ण हुए। जमशेदपुर शाखा से सीए इंटर की परीक्षा में कुल 359 छात्र शामिल हुए थे, जिनमें से 73 छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की और सीए फाइनल में प्रवेश किया। प्रथम समूह और द्वितीय समूह के

लिए कई छात्र शामिल हुए, जिनमें से कुल 52 छात्र उत्तीर्ण हुए। परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों में तनिष्क अग्रवाल, तनुमय गोराई, सौरव कुमार, आदित्य कुमार सिंह, निश्चल गिरी, राहुल सकुजा, डिंकी मित्तल, केशव शर्मा, शोभा खंडेलवाल आदि शामिल हैं।

यह जानकारी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के जमशेदपुर शाखा की चेयरपर्सन सीए अंकिता अग्रवाल ने दी। उन्होंने उत्तीर्ण छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि इस साल, देशभर में सीए फाइनल परीक्षा में ग्रुप 1 परीक्षा के लिए कुल 57067 उम्मीदवार और ग्रुप 2 के लिए 61844 उम्मीदवार उपस्थित हुए। हालांकि, 6795 उम्मीदवारों ने ग्रुप 1 परीक्षा (11.91 प्रतिशत) पास की, और 19438 ने ग्रुप 2 परीक्षा (31।43 प्रतिशत) पास की। अंतिम सीए परीक्षा के दोनों समूहों में कुल 8.33 प्रतिशत उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए। कुल 25841 उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से 2152 उत्तीर्ण हुए। देश भर में, कुल 13430 उम्मीदवार चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में उत्तीर्ण हुए हैं।

इस बार कंप्यूटर साइंस के प्लेसमेंट में आई गिरावट

NIT जमशेदपुर के छात्र को मिला 83.4 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज

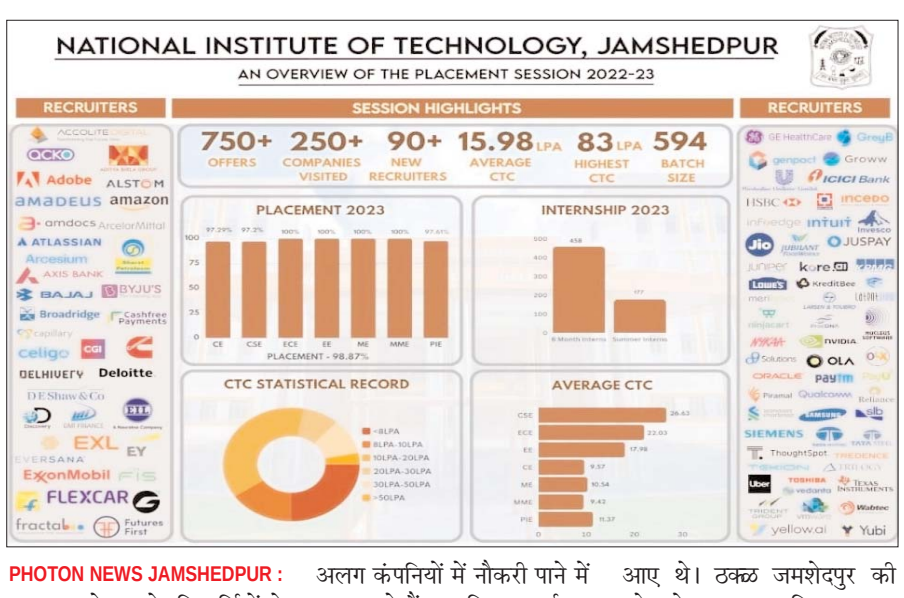

चार ब्रांच के सभी छात्र का प्लेसमेंट

इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग

- मैकेनिकल इंजीनियरिंग: 100 प्रतिशत
- मेटलर्जिकल एंड मटेरियल इंजीनियरिंग: 100 प्रतिशत
- प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग: 97।61 प्रतिशत
- सिविल इंजीनियरिंग: 97।29 प्रतिशत
- कंप्यूटर साइंस: 97।20 प्रतिशत

ब्रांच के अनुसार हाईएस्ट वार्षिक पैकेज इस प्रकार है:

- सिविल इंजीनियरिंग: 20 लाख
- कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग: 83।4 लाख
- इलेक्ट्रानिक्स एंड कंप्यूनिकेशन इंजीनियरिंग: 83।4 लाख
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग: 21 लाख
- मेटलर्जिकल एंड मटेरियल इंजीनियरिंग: 14 लाख
- प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग: 22 लाख

ब्रांचवार औसत पैकेज इस प्रकार है:

- सिविल इंजीनियरिंग: 9।57 लाख
- कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग: 26।63 लाख
- इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग: 22।03 लाख
- इलेक्ट्रिकल्स इंजीनियरिंग: 17।98 लाख
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग: 10।25 लाख
- मेटलर्जिकल एंड मटेरियल इंजीनियरिंग: 9।94 लाख
- प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग: 11।37 लाख

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : NIT जमशेदपुर के विद्यार्थियों ने इस बार कैंपस प्लेसमेंट में सैलरी पाने में सारे रेकार्ड तोड़ दिए हैं। NIT जमशेदपुर की ओर से जारी सत्र 2022-23 के प्लेसमेंट के आंकड़ों की मानें तो संस्थान के 98।87 प्रतिशत छात्र अलग अलग कंपनियों में नौकरी पाने में सफल रहे हैं। जबकि इस वर्ष का अधिकतम पैकेज 83।4 लाख है। जबकि औसत पैकेज की बात करें तो यह 15।98 लाख सालाना है।

इस वर्ष कुल 594 छात्रों के लिए 250 कंपनियों से 750 ऑफर आए थे। ठक्ळ जमशेदपुर की ओर से कहा गया कि इस बार प्लेसमेंट की स्थिति पिछले सालों की तुलना में बेहतर रही है। संस्थान के निदेशक गौतम सूत्रधार ने कहा कि हम अपने इस प्रदर्शन को आगे भी दुहराएंगे। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि प्लेसमेंट सीजन 2023-24 में इंटर्नशिप की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। इसके लिए जॉब एनाउंसमेंट फार्म संस्था की अपलोड कर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक बेहतर संस्थान की पहचान उसके प्लेसमेंट ऑफर से होती है और इस मामले में हमनें पूरे झारखंड में रेकार्ड बनाया है।

तीन ब्रांच के छात्रों को मिला 83।4 लाख का पैकेज:

एनआईटी जमशेदपुर के विद्यार्थियों को ऑन कैंपस प्लेसमेंट में वर्ष 2022-23 में अधिकतम 83।4 लाख रुपए सालाना का पैकेज मिला है। जबकि न्यूनतम पैकेज 8 लाख रुपए सालाना है। इस बार संस्थान के 3।2 प्रतिशत छात्रों को 50 लाख से 83 लाख के बीच पैकेज ऑफर हुआ, जबकि 10।2 प्रतिशत को 30 लाख से 50 लाख ऊपर के पैकेज पर लॉक किया गया। वहीं 8।7 प्रतिशत को 20 व 30 लाख जबकि 37।4 प्रतिशत को 10 से 20 लाख वहीं 15।5 को 8 से 10 लाख रुपए वहीं 25 पतिशत को 8 लाख या उससे कम का पैकेज मिला है।

जानिए एनआईटी जमशेदपुर के बारे में:

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर भारत के लगभग बीस राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (एनआईटी) में से एक है। पहले इसे क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर **(Regional Institute of Technology (RIT))** के नाम से जाना जाता था। इसकी स्थापना 1960 में की गई थी तथा 2002 को इसे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के रूप में स्तरोन्नत किया गया था। यह संस्थान जमशेदपुर के बाहरी क्षेत्र में अदित्यपुर के पास है। इसके आस-पास अनेक लघु औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित हैं। संस्थान में 13 विभाग हैं। यह सिविल, मैकेनिकल, इलैक्ट्रीकल, धातुकर्म तथा कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग जैसे विषयों में अवर-स्नातक पाठयक्रम संचालित करता है।

'हिंदू सिविल कोड' भी आ जाए तो क्या बुराई है?

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और इनके जैसे अनेकों ने समान नागरिकता संहिता (यूसीसी) को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर इस बार कुछ गहरा निशाना साधा है। वे कह रहे हैं कि यूसीसी के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी 'हिंदू सिविल कोड' लाना चाहते हैं, जिसका हम पुरजोर विरोध करते हैं। एआईएमआईएम के इस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी को यह कहकर भी घेरने का प्रयास किया है, मेरे देश के प्रधानमंत्री को कोई जाकर समझाए कि समानता और अनेकता अलग-अलग चीज है। "एक घर में दो कानून कैसे चलेंगे? संविधान में समवर्ती सूची क्या है... संघीय सूची क्या है... राज्य सूची क्या है... प्रधानमंत्री आप देख लेते तो मालूम होता।" ओवैसी साहब का आरोप है कि "देश अब तक एकता और विविधता के नाम पर मजबूत रहा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को 'दो मिनट के नूडल्स' की तरह चलाना चाहते हैं। उन्हें समझना चाहिए यह 133 करोड़ की आबादी का देश उसे ऐसे नहीं चला सकते आप।" वस्तुतः यहां ऊपर ओवैसी के कहे शब्दों में होशियारी देखिए आप! अपनी सुविधा के लिए वे संविधान के उसी भाग का उल्लेख करते हैं जिसे बोलने से उन्हें लाभ होता हो। वे बिल्कुल भी यह जिक्र नहीं करना चाहते कि भारतीय संविधान में समय-समय पर आवश्यकतानुसार 105 संशोधन भी हुए हैं। फिर जो इस यूसीसी का विरोध कर रहे हैं उन्हें यह पता ही होना चाहिए कि 1951 में डॉ. आम्बेडकर ने हिंदू कोड बिल को संसद में पेश किया था। उस समय इसका विरोध जरूर हुआ किंतु देश के बहुसंख्यक वर्ग को यह समझाने में अधिक वक्त नहीं लगा था कि यह उस आधी जनसंख्या के हित में है जोकि भारतीय सभ्यता और संस्कृति में इस जगत की कारण और आद्या है। आम्बेडकर ने हिंदू कोड बिल लेकर कहा भी था कि 'मुझे भारतीय संविधान के निर्माण से अधिक दिलचस्पी और खुशी हिंदू कोड बिल पास कराने में है।' बाद में देश के पहले लोकसभा चुनाव के बाद पं. नेहरू ने हिंदू कोड बिल को कई हिस्सों में 1955 में हिंदू मैरिज एक्ट के साथ प्रस्तुत किया। जिसमें कि तलाक को कानूनी दर्जा, अलग-अलग जाति स्त्री-पुरुष को परस्पर विवाह का अधिकार और एक बार में एक से ज्यादा शादी को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया था। हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, हिंदू दत्तक ग्रहण और पोषण अधिनियम और हिंदू अवयस्कता और संरक्षकता अधिनियम 1956 में लागू हुए। ये सभी कानून महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा देने के लिए लाए गये थे। पहली बार महिलाओं को संपत्ति में अधिकार दिया गया और लड़कियों को गोद लेने पर जोर दिया गया। इसका चहुंओर स्वागत हुआ। प्रत्येक हिन्दू ने ही नहीं बल्कि उन सभी ने जोकि अन्य भारत से जन्में मत, पंथ पर यह लागू हुआ, उन सभी ने भी इसको स्वागत के साथ स्वीकारा। बहुविवाह अब बीते जमाने की बात हो गई। स्त्री केवल साहित्य एवं संस्कृति में ही नहीं व्यावहारिक धरातल पर कानूनी तौर से समान अधिकारिणी और प्रत्येक हिन्दू पुरुष के जीवन में अर्धनारीश्वर हो गई। आप देखिए, इतिहास में इस समय (1955 एवं बाद) तक कोई शिकायत कर्ता आपको 'हिन्दू कोड बिल' का नहीं मिलेगा। इतिहास इसके साथ इस साक्ष्य को भी हमारे समक्ष रखता है कि डॉ. भीमराव आम्बेडकर स्वयं समान नागरिक संहिता के बहुत बड़े समर्थक थे। वे चाहते थे कि देश में एक समान कानून हों, मत, पंथ, मजहब के आधार पर नहीं। यह सभी के लिए एक समान होने चाहिए न कि कोई चार शादियां करें और कोई सिर्फ एक। या विवाह की उम्र किसी के लिए 18 वर्ष हो और कोई कहे हमारे यहां तो 16 साल मान्य है, नहीं-नहीं साहब, इससे पहले भी कर सकते हैं। किसी भी सभ्य समाज में इद्दत और हलाला को कैसे स्वीकार्य किया जा सकता है? पति की मौत होने और बेटा न होने की सूरत में मुस्लिम महिला को संपत्ति का पूरा हिस्सा क्यों नहीं मिलना चाहिए? सिर्फ इसलिए कि वह मुसलमान है और उसके लिए कानून अलग होंगे? देश के एक नागरिक के रूप में यह विचार करें कि यह कहां तक ठीक है? क्या ऐसी स्थिति में हम उस महिला के साथ जो खुद आश्रित अवस्था में आ गई है, हम न्याय करते हैं? क्या देश में तलाक के एक जैसे आधार नहीं होने चाहिए? जो आधार पुरुष के लिए है, वही स्त्री के लिए भी क्यों नहीं होने चाहिए? एक हिन्दू महिला या जिन पर भी 'हिन्दू सिविल कोड' लागू होता है उनकी तरह ही प्रत्येक मुस्लिम महिला या भारत की प्रत्येक नागरिक महिला का यह हक है कि उसे भी गुजारा भत्ता का अधिकार मिले। सभी को अडॉप्शन का एक समान अधिकार प्राप्त हो। ऐसे ही सभी नागरिक संहिता से जुड़े अधिकार प्रत्येक भारत के नागरिक को एक समान मिलना ही चाहिए। संविधान की हम जब प्रस्तावना पढ़ते हैं तो उसके शुरू में ही लिखा गया है कि 'हम भारत के लोग'....यह जो हम भारत के लोग हैं उसमें यह कहीं नहीं है कि हे हिंदू, हे मुसलमान, हे ईसाई, हे सिख, हे पारसी, हे जैन, हे बौद्ध। यहां संबोधन है 'हम भारत के लोग' समान रूप में 'हम सभी एक जन' फिर ये जो 'हम' है भला! वह नागरिक संहिता के मामले में अलग-अलग कैसे हो सकता है? वस्तुतः संविधान सभा के वाद-विवाद के खंड सात में डॉ. आम्बेडकर ने जो कहा उसे सभी समझें, 'मैं व्यक्तिगत रूप से यह नहीं समझता कि धर्म, मजहब, पंथ या मत को इतना विशाल, विस्तृत अधिकार क्षेत्र क्यों दिया जाना चाहिए ताकि पूरे जीवन को कवर किया जा सके और विधायिका को उस क्षेत्र पर अतिक्रमण करने से रोका जा सके।

सांस्कृतिक जागरण की अग्रदूत लक्ष्मी बाई केलकर

ANALYSIS

✍ रमेश शर्मा

लक्ष्मी बाई केलकर का जन्म 06 जुलाई 1905 को नागपुर में हुआ था। उनके पिता दातेजी लोकमान्य तिलक जी के अनुयायी थे इस नाते परिवार में राष्ट्र और सांस्कृतिक जागरण का वातावरण था, लक्ष्मीबाई इसी के बीच बड़ी हुई। उनके बचपन का नाम कमल दाते था लेकिन विवाह के बाद वे लक्ष्मी बाई केलकर बनीं और वर्धा आ गईं। उनका विवाह चौदह वर्ष की आयु में विदर्भ के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता पुरुषोत्तम राव केलकर से हुआ था। पुरुषोत्तम जी विधुर थे यह उनका दूसरा विवाह था। दोनों की आयु में अंतर भी था, लक्ष्मी बाई की आयु भले अभी कम थी पर वे मानसिक और बौद्धिक रूप से परिपक्व हो रहीं थीं। विवाह के बाद उन्होंने अपनी शिक्षा भी जारी रखी और पति के साथ समाजसेवा के कार्यों में भी सहभागी बनीं। यह वह कालखंड था जब स्वाधीनता के लिये अहिंसक आंदोलन पूरे देश में प्रभावी हो रहा था। यह संयोग ही था कि लक्ष्मी बाई के मायके का दाते परिवार और ससुराल का केलकर परिवार दोनों इन गतिविधियों में बढ़- चढ़ कर हिस्सा ले रहे थे। पूरा विदर्भ मानों इन अभियानों का हिस्सा था। यही कारण था कि 1923 के झंडा सत्याग्रह का सर्वाधिक प्रभाव पुणे से लेकर विदर्भ तक रहा था। यह इस आंदोलन की व्यापकता का ही प्रभाव था कि आगे चलकर गांधी जी ने नागपुर के समीप वर्धा को अपना एक प्रमुख केन्द्र बनाया।

भारतीय स्वाधीनता संघर्ष की सफलता में उस भावना की भूमिका महत्वपूर्ण है जिसने समाज में स्वत्व का बोध कराया। यदि हम केवल आधुनिक संघर्ष का ही स्मरण करें तो हम पायेंगे कि आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती से लेकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव हेडगेवार तक ऐसे असंख्य हुतात्माएं हुईं हैं जिन्होंने दोहरा संघर्ष किया। एक तो स्वयं सीधा संघर्ष किया और संघर्ष के लिये स्वाधीनता सेनानी भी तैयार किये और दूसरा समाज में स्वत्व और सांस्कृतिक जागरण का अभियान चलाया। जिससे जाग्रत होकर समाज संघर्ष के लिये सामने आया। लक्ष्मी बाई केलकर ऐसी ही एक महाविभूति थीं जिनका पूरा जीवन भारत राष्ट्र, समाज और सांस्कृतिक जागरण के लिए समर्पित रहा। लक्ष्मी बाई केलकर का जन्म 06 जुलाई 1905 को नागपुर में हुआ था। उनके पिता दातेजी लोकमान्य तिलक जी के अनुयायी थे इस नाते परिवार में राष्ट्र और सांस्कृतिक जागरण का वातावरण था, लक्ष्मीबाई इसी के बीच बड़ी हुईं। उनके बचपन का नाम कमल दाते था लेकिन विवाह के बाद वे लक्ष्मी बाई केलकर बनीं और वर्धा आ गईं। उनका विवाह चौदह वर्ष की आयु में विदर्भ के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता पुरुषोत्तम राव केलकर से हुआ था। पुरुषोत्तम जी विधुर थे यह उनका दूसरा विवाह था। दोनों की आयु में अंतर भी था, लक्ष्मी बाई की आयु भले अभी कम थी पर वे मानसिक और बौद्धिक रूप से परिपक्व हो रहीं थीं। विवाह के बाद उन्होंने अपनी शिक्षा भी जारी रखी और पति के साथ समाजसेवा के कार्यों में भी सहभागी बनीं। यह वह कालखंड था जब स्वाधीनता के लिये अहिंसक आंदोलन पूरे देश में प्रभावी हो रहा था। यह संयोग ही था कि लक्ष्मी बाई के मायके का दाते परिवार और ससुराल का केलकर परिवार दोनों इन गतिविधियों में बढ़- चढ़ कर हिस्सा ले रहे थे। पूरा विदर्भ मानों इन अभियानों का हिस्सा था। यही कारण था कि 1923 के झंडा सत्याग्रह का सर्वाधिक प्रभाव पुणे से लेकर विदर्भ तक रहा था। यह इस आंदोलन की व्यापकता का ही प्रभाव था कि आगे चलकर गांधी जी ने नागपुर के समीप वर्धा को अपना एक प्रमुख केन्द्र बनाया। अधिवक्ता पुरुषोत्तम राव केलकर अपनी पत्नी लक्ष्मी बाई के साथ इन सभी गतिविधियों में हिस्सा लेते। गांधी जी और तत्कालीन आंदोलनों का कितना प्रभाव इस परिवार पर था इसका अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि लक्ष्मी बाई ने अपने घर में एक चरखा केन्द्र स्थापित कर लिया था। वे सामाजिक जागरण के लिए तीन काम करतीं थीं। एक तो महिलाओं में चरखे के माध्यम से स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की प्रेरणा देतीं, दूसरा भारतीय वाङ्मय के उदाहरणों से सामाजिक समरसता का वातावरण बनाती थीं। इसके लिए उन्होंने अपने घर में अनुसूचित समाज के बंधुओं को सहयोगी के रूप जोड़ा हुआ था। और तीसरा राम चरित्र मानस के प्रवचन से सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों की स्थापना। वे मानतीं थीं कि राष्ट्र की स्वायत्तता ही सर्वोपरि है। एक बार जब गांधी जी ने एक सभा में दान की आह्वान किया तो उसी क्षण लक्ष्मीबाई ने अपने गले से सोने की चैन उतारकर गांधी जी को समर्पित कर दी थी। उनका वैवाहिक जीवन अधिक न चल सक। वे अभी मात्र 27 वर्ष की थीं कि 1932 मे पति का देहान्त हो गया। उनके पास दोहरा दायित्व आ गया। परिवार में एक विधवा नंद भी रहतीं थीं। लक्ष्मी बाई ने अपने बच्चों के साथ उन्हें भी सहेजा। लक्ष्मी बाई ने अपनी आवश्यकताएं सीमित कीं पर न बच्चों का शिक्षण रोका न अपनी सामाजिक गतिविधियां कम कीं। उन्होंने अपने घर का कुछ हिस्सा किराये पर उठाया इससे भी कुछ लाभ हुआ। अपनी सामाजिक सक्रियता के चलते वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव हेडगेवार के संपर्क में आईं। उन्होंने नमक सत्याग्रह में भी भाग हिस्सा लिया किंतु डॉ. हेडगेवार की सलाह पर जेल नहीं गईं और बाहर रहकर सामाजिक जागरण एवं स्वतंत्रता आंदोलन के लिये टोली तैयार करने का काम जारी रखा जो पति की मृत्यु के बाद और तेज हुआ। उनके द्वारा तैयार टोलियों ने विदर्भ में चलने वाले हर आंदोलन में लिया। महिलाएं कीर्तन करते हुये प्रभात फेरी निकालतीं चरखा और खादी का संदेश देती थीं। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार की सलाह पर वर्धा में 1936 में स्त्रियों के लिए ₹राष्ट्र सेविका समिति₹ नामक संगठन की नींव रखी। इसके लिए भारत भर की यात्रा की और संगठन के कार्य को विस्तार दिया।1945 में राष्ट्र सेविका समिति का पहला राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। यह वह समय था जब देश के विभाजनकारी शक्तियां प्रबल हो रहीं थीं। अंग्रेजों की सरकार का उन्हें संरक्षण था इस नाते उनकी हिंसक गतिविधियां बढ़ गईं थीं। विशेषकर बंगाल, पंजाब और सिंध में हिन्दू समाज की महिलाओं में एक भय का वातावरण बनने लगा था। लक्ष्मी बाई केलकर ने अपने संगठन के माध्यम में महिलाओं में संगठित रहने और आत्म विश्वास जगाने का अभियान चलाया। देश की स्वतन्त्रता एवं विभाजन के समय वे सिंध में थीं। उन्होंने हिन्दू परिवारों को भारतीय सीमा में सुरक्षित पहुंचाने के प्रबन्ध किए। उन्होंने महिलाओं में जाग्रति के लिए बाल मन्दिर, भजन मण्डली, योगाभ्यास केन्द्र, बालिका छात्रावास आदि अनेक प्रकल्प प्रारम्भ किये। वे राम चरित्र मानस पर बहुत सुन्दर प्रवचन देतीं थीं। जिनमें संतान के निर्माण, परिवार के निर्माण, समाज के निर्माण और सामाजिक एकत्व का संदेश होता था। वे आजीवन राष्ट्र और समाज की सेवा में लगीं रहीं। वे शरीर से भले 27 नवम्बर 1978 को नश्वर शरीर छोड़कर संसार से विदा हुईं पर उनकी आभा आज भी समाज में प्रतिबिंबित हो रही है। उनके द्वारा गठित राष्ट्र सेविका समिति राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति जागरण का प्रतीक बन गई। जो समाज में संस्कार और पारिवारिक विमर्श का वातावरण बना रही है। उनका संकल्प आज बृहद और वैश्विक रूप ले रहा है। उनका संकल्प और विचार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। यह भारत के इतिहास में स्त्री शक्ति जागरण और सशक्तिकरण की बड़ी घटना थी। लक्ष्मी बाई केलकर ने महिलाओं को अनुशासित सेविका बनाने के लिए प्रशिक्षण अभियान आरंभ कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सिद्धांत, विचार एवं उद्देश्य के आधार पर नारी शाखा आरंभ की थी। वर्तमान में भारतवर्ष में राष्ट्र सेवा समिति की लगभग पांच हजार से अधिक शाखाएं संचालित हो रहीं हैं। समिति का कार्य अपने ध्येय-सूत्र के साथ अल्प समय में ही प्रभावशाली उपलब्धियां अर्जित करने लगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भांति राष्ट्र सेविका समिति के भी प्रतिवर्ष मई-जून में सामान्यतः पंद्रह दिनों के प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष के प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में बौद्धिक, शारीरिक और आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह शिविर नागपुर तथा अन्य स्थानों पर आयोजित किए जाते हैं। जिस प्रकार संघ का अपना गणवेश है, उसी प्रकार समिति का भी अपना एक गणवेश है। जैसे संघ में प्रचारक होते हैं, वैसे ही समिति में भी प्रचारिका होती हैं। वर्तमान में अड़तालीस प्रचारिका भारतवर्ष के विभिन्न भागों में सेवा प्रदान कर रही हैं। समिति में एक प्रावधान लघु अवधि की पूर्णकालिक कार्यकर्ता का भी है, जिन्हें विस्तारिका कहा जाता है। यह दो वर्ष की समयावधि के लिए होता है. जिसमे स्वयंसेविका अपना पूरा समय समिति के कार्य के लिए समर्पित करती हैं। लक्ष्मी बाई केलकर ने अपने व्याख्यान में कई अवसर पर कहा है कि महिला, परिवार और राष्ट्र के लिए प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करती है। जब तक शक्ति को जागृत नहीं किया जाता तब तक परिवार समाज और राष्ट्र जाग्रत नहीं होगा।उनके द्वारा दिखाया गया मार्ग और आह्वान आज भी अनुकरणीय हैं। अब समिति द्वारा बहुमुखी कार्य भी किए जा रहे हैं। समिति के अनेक सेवा प्रकल्प प्रारंभ किए हैं, जिनमें छात्रावास, चिकित्सालय, उद्योग, भजन मंडल आदि। राष्ट्र सेविका समिति का कार्य केवल भारत में ही नहीं अपितु विश्व के कई देशों में फैला हुआ है। ब्रिटेन, अमेरिका, मलयेशिया, डर्बन, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका में भी समिति की स्वयंसेविका सक्रिय हैं। लक्ष्मी बाई केलकर का व्यक्तित्व और कृतित्व भारत में प्रत्येक परिवार और विशेष कर नारी शक्ति की क्षमता मेधा और प्रज्ञा शक्ति का एक अनुकरणीय उदाहरण है। जो सदैव स्मरणीय और वंदनीय है।

लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।

भारत दूरसंचार प्रौद्योगिकी का निर्यातक बनने की ओर अग्रसर

भारत में डिजिटल क्रांति ने अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में बहुत प्रभावी भूमिका निभाई है। भारतीय अर्थव्यवस्था, आज डिजिटल क्रांति के बलबूते ही, विश्व में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच, सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है। डिजिटल क्रांति ने भारत में वित्तीय समावेशन को बहुत आसान बना दिया है एवं आज भारत वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में पूरे विश्व को राह दिखा रहा है। विकासशील देश तो आज वित्तीय समावेशन की सफलता के क्षेत्र में भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रहे हैं कि वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में भारत किस प्रकार उनकी मदद कर सकता है। डिजिटल क्रांति से ही भारतीय अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण भी सम्भव हो सका है। जिसके चलते, वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण प्रति माह औसतन 1.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक का हो गया है तथा प्रत्यक्ष करों के संग्रहण में भी अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। इससे केंद्र सरकार को भारत में मजबूत आधारभूत संरचना विकसित करने में आसानी हो रही है एवं केंद्र सरकार देश में पूंजीगत निवेश को लगातार बढ़ाने में भी सफल हो रही है। साथ ही, गरीब वर्ग के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं को फंडिंग करने में भी किसी प्रकार की समस्या आड़े नहीं आ रही है। भारत में डिजिटल क्रांति से केवल केंद्र एवं राज्य सरकारों को ही लाभ हुआ है, ऐसा नहीं है। बल्कि, सामान्य नागरिकों, दूर दराज के ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिकों सहित, को भी विभिन्न सरकारी कार्य सम्पन्न करने में बहुत आसानी हुई है। आज भारत में इंटरनेट की सुविधा का उपयोग करने वाले नागरिकों की संख्या शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक हो गई है। भारत का टेलीकाम और डिजिटल मॉडल बहुत सरल, सहज, सुरक्षित एवं पारदर्शी है। जिसके कारण आज भारत डिजिटल क्रांति में पूरी दुनिया में एक अग्रणी देश बन गया है एवं दुनिया की अगुवाई कर रहा है। भारत में डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में नित नए नवाचार भी किए जा रहे हैं। जैसे अभी हाल ही में भारत में ई-रूपी को डिजिटल मुद्रा के रूप में प्रारम्भ किया गया है। इस डिजिटल मुद्रा को वालेट अथवा मोबाइल में रखा जा सकता है। डिजिटल मुद्रा के चलन में वृद्धि होते जाने से जेब में रुपये के रूप में मुद्रा रखने की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी। यह भारत को 'डिजिटल इंडिया' बनाने में एक अहम एवं साकार कदम माना जा रहा है। वर्ष 2022 के केंद्र सरकार के बजट में डिजिटल मुद्रा को भारत में चालू करने के सम्बंध में घोषणा की गई थी। इससे भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था को बहुत मजबूती प्राप्त होगी। ई-रूपी, डिजिटल मुद्रा के रूप में बिटकोईन जैसी वर्चुअल करेंसी को समाप्त करने में सहायक होगा एवं इससे गैर कानूनी रूप से भारत में लाई जाने वाली विदेशी मुद्रा (मनी लांडरिंग) पर भी अंकुश लगाने में आसानी होगी। डिजिटल मुद्रा के माध्यम से अन्य देशों में निवास कर रहे लोगों को मुद्रा भेजने में आसानी होती है एवं दूसरे देशों को राशि भेजने पर लगने वाले खर्च में भी लगभग 2 प्रतिशत तक की कमी आने की सम्भावना है। लाभार्थियों के खाते में सीधे ही राशि हस्तांतरित की जा सकती है, इससे भारतीय नागरिकों को मुद्रा को एक देश से दूसरे देश में हस्तांतरित करने में सहूलियत होने लगेगी। कुल मिलाकर ई-मुद्रा से बैंकिंग, मौद्रिक नीति और वित्तीय स्थिरता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद की जा रही है। ई-रूपी को भविष्य की मुख्य मुद्रा भी कहा जा रहा है। यह भी भारत में डिजिटल क्रांति का ही परिणाम है कि प्रधानमंत्री किसान योजना के अंतर्गत 11 करोड़ से अधिक किसानों के बचत खातों में 6,000 रुपये प्रतिवर्ष, 2,000 रुपये की तीन समान किश्तों में, आसानी से केंद्र सरकार द्वारा हस्तांतरित किए जा रहे है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ही भारत में राष्ट्रीय कृषि मंडी (ई-नाम) की स्थापना की जा सकी है जिसके कारण किसानों को उनकी उपज बेचने के लिए देश में एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, बेहतर बाजार मिला है। इससे किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है एवं उनके उत्पादों के मूल्य की सही खोज भी सम्भव हो पा रही है। आज ई-नाम मंडियों के माध्यम से भारत का किसान अपनी उपज को देश की किसी भी मंडी में आसानी से बेच सकता है। 22 राज्यों और 3 संघशासित क्षेत्रों की 1,260 मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म से जोड़ा जा चुका है। मजबूत बैंकिग व्यवस्था किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार रहती है। भारत की बैंकिंग व्यवस्था को भी डिजिटल प्लेटफॉर्म से सफलता पूर्वक जोड़ दिया गया है। डिजिटल इंडिया अभियान के जरिए यूपीआई, डीबीटी, ई-रूपी एवं मोबाइल बैंकिंग जैसी सुविधाओं के माध्यम से देश के नागरिकों को बैंकिंग सेवाएं सुलभ रूप से प्रदान की जा रही है। भारत के नागरिकों के बीच डिजिटल लेन देन करने के लिए देश में यूपीआई सबसे लोकप्रिय माध्यम बन गया है। आज भारत डिजिटल भुगतान और डिजिटल करेंसी की मामले में कई विकसित देशों से आगे निकल आया है। कुल मिलाकर भारत में डिजिटल क्रांति के चलते विभिन्न बैंकिंग सुविधाएं बहुत आसानी से देश के नागरिकों को उपलब्ध होने लगी हैं एवं पेन कार्ड जैसी पूर्व की जटिल वित्तीय प्रक्रियाओं को सरल बनाने में बहुत आसानी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सरकारी सेवाओं का लाभ सामान्य नागरिकों तक सहज एवं सरल तरीके से पहुंचाने के मुख्य उद्देश्य को ध्यान में रखकर ही डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी। डिजिटल क्रांति से उक्त मुख्य उद्देश्य की निश्चित ही पूर्ति हुई है। इस प्रकार, डिजिटल इंडिया एक खास तरह का 'अंब्रेला कार्यक्रम' बन पड़ा है, जिसके अंतर्गत बैंकिंग, बीमा, केंद्र एवं राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों द्वारा नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सभी सुविधाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ले आया गया है। भारत में डिजिटल क्रांति को देखते हुए न केवल विकासशील देश बल्कि कई क्षेत्रों में विकसित देश भी भारतीय तकनीकी की मांग करने लगे है ताकि उन देशों में भी डिजिटल क्रांति की शुरूआत की जा सके।

Social Media Corner

सच के हक में...

भारतीय विद्या भवन के सांस्कृतिक केंद्र का उद्घाटन करके मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। महाराष्ट्र राज्य और नागपुर शहर भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा के प्रमुख केन्द्र रहे हैं। इस केन्द्र की स्थापना से भारतीय विद्या भवन द्वारा भारतीय संस्कृति के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और जमशेदपुर महानगर के पूर्व अध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जी के घर पर कल शरारती तत्वों ने हमला किया है। सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि आरोपी उनके घर पर खड़ी गाड़ी में आग लगाकर भाग रहा है। स्वाभाविक है कि आग लगाने की यह गंभीर साजिश बहुत गहरी है। जमशेदपुर जिला प्रशासन से मेरा अनुरोध है कि अविलंब इस मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

नेहरूजी से कुछ तो सीखे कांग्रेस

संविधान लागू होने के 73 साल बाद आज जिस समान नागरिक संहिता को लाने की पहल हो रही है, उसकी चर्चा स्वतंत्रता के पहले ही शुरू हो गई थी। भारत के अलग-अलग समुदायों के विवाह, उत्तराधिकार संबंधी निजी कानूनों को एक समान बनाने की पहल अंग्रेज सरकार ने की थी। इस पहल में हिंदू समाज के कुछ सुधारवादी नेता भी शामिल थे। इनमें प्रमुख थे राजा राममोहन राय। उनके बाद ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने समाज सुधार की कमान अपने हाथ में ली। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद जब अंग्रेजी सत्ता ने भारत का शासन पूरी तौर पर अपने हाथ ले लिया तो उन्होंने तेजी के साथ नए-नए कानून बनाए शुरू कर दिए। इसके चलते स्पेशल मैरिज एक्ट भी बना और विवाह योग्य आयु निर्धारण संबंधी कानून भी। स्त्री धन संबंधी भी एक कानून बना। पारिवारिक मामलों को लेकर जो कानून बने, वे ज्यादातर हिंदू समाज को लेकर बने, क्योंकि कई हिंदू सुधारवादी उनकी पैरवी कर रहे थे। मुस्लिम समाज के नेता अपने निजी कानूनों में संशोधन-परिवर्तन के प्रति अनिच्छुक और अड़ियल थे, इसलिए अंग्रेजों ने उन्हें न छेड़ने का ही फैसला किया। शायद इसका एक कारण यह भी रहा कि वे हिंदुओं और मुसलमानों के बीच की खाई चौड़ी करना चाहते थे। जैसे-जैसे स्वतंत्रता का समय निकट आने लगा, हिंदुओं के निजी कानूनों में सुधार की पहल भी तेज होने लगी। मुस्लिम समाज के नेता ऐसी किसी पहल के विरोध में थे। उन्होंने अंग्रेजों पर दबाव भी बनाया। इसके नतीजे में 1937 में अंग्रेजों ने शरीयत एक्ट पास किया। इसका मतलब था कि मुसलमान सदियों पुरानी शरीयत के हिसाब से ही चलेंगे और अपनी महिलाओं को कोई अधिकार नहीं देंगे। जब आजादी का समय और करीब आ गया तो डा. भीमराव आंबेडकर ने समान नागरिक संहिता की पैरवी करनी शुरू कर दी। आखिरकार आजादी मिली और संविधान सभा बनी। संविधान सभा में समान नागरिक संहिता की पहल इसलिए आगे नहीं बढ़ सकी, क्योंकि कट्टरपंथी मुस्लिम नेता अपने समाज के निजी कानूनों में बदलाव के लिए तैयार नहीं हुए। इसके विपरीत हिंदू समाज के अनेक नेता यह मानते थे कि महिलाओं को बराबरी के अधिकार देना आवश्यक है। इस कारण हिंदू कोड बिल की चर्चा आगे बढ़ी। डा. आंबेडकर हिंदू कोड बिल के सबसे बड़े समर्थक थे। उनका साथ दिया जवाहरलाल नेहरू ने। हालांकि कांग्रेस के कई बड़े नेता हिंदू कोड बिल के पक्ष में नहीं थे, जैसे राजेंद्र प्रसाद, जेबी कृपलानी और पुरुषोत्तम दास टंडन। जनसंघ समेत विरोधी दलों के कई नेताओं को भी इस पर आपत्ति थी कि केवल हिंदू समाज के निजी कानूनों को ही क्यों बदला जा रहा है। उनका जोर था कि हिंदू कोड बिल के बजाय समान नागरिक संहिता लाई जाए और उसके दायरे में सभी समुदाय आने चाहिए। समान नागरिक संहिता के पक्ष में माहौल न बनने के कारण संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में यह लिखा गया कि राज्य देश की जनता के लिए ऐसी संहिता का निर्माण करेगा। जब संविधान सभा ने संसद का रूप लिया तब अंतरिम सरकार के कानून मंत्री बने डा. आंबेडकर। उनका मानना था कि समाज को सबल बनाना है तो महिलाओं को बराबर के अधिकार देने होंगे और हिंदू समाज की सामाजिक कुरीतियों को भी दूर करना होगा। नेहरूजी उनके साथ थे। जब कांग्रेस के अंदर और बाहर हिंदू कोड बिल का विरोध बढ़ा और नेहरूजी को यह समझाया गया कि अभी आप चुनी हुई सरकार के प्रधानमंत्री नहीं हैं और ऐसे में इतना बड़ा फैसला नहीं ले सकते तो उन्होंने चुनाव बाद इस मामले में आगे बढ़ना तय किया।

आतंकवाद पर दो टूक

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के आभासी शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के संदर्भ में जो कुछ कहा है, उसके गहरे निहितार्थ हैं। प्रधानमंत्री ने साफ-साफ कहा कि आतंकवाद क्षेत्रीय व वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा है, और एससीओ को उन देशों की आलोचना करने से हिचकना नहीं चाहिए, जो सीमा पार दहशतगर्दी फैलाने के कृत्य को अपने नीतिगत औजार के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। बताने की जरूरत नहीं होनी चाहिए कि प्रधानमंत्री के निशाने पर कौन सा मुल्क था, जो इस संगठन का भी सदस्य देश है, बल्कि उन्होंने प्रकारांतर से चीन को भी यह जता दिया है कि कूटनीति की आड़ में आतंकियों की हिमायत और आतंकवाद के शरणार्थी मुल्कों के बचाव की उसकी नीति आलोचना से परे नहीं है और वैश्विक मंचों पर इस मामले में वह कोई नैतिक मुद्रा नहीं ले सकेगा। गौरतलब है, एससीओ के अब तक आठ सदस्य देश थे, मगर इस वर्ष से ईरान को भी पूर्णकालिक सदस्य की मान्यता मिल गई है और इस तरह इस संगठन का लगातार विस्तार हो रहा है। शंघाई सहयोग संगठन की महत्ता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इससे जुड़ने की आकांक्षा रखने वाले देशों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस संगठन के देशों में दुनिया की लगभग 42 फीसदी आबादी बसती है और विश्व अर्थव्यवस्था में महज इन आठ-नौ देशों की भागीदारी करीब एक चौथाई है, ऐसे में स्वाभाविक ही पश्चिम को इसका मजबूत होना नहीं सुहाएगा और इसलिए अक्सर वह इसकी आलोचना के लिए लोकतंत्र की आड़ लेते हैं। पश्चिम का आरोप है कि ज्यादातर अधिनायकवादी नेतृत्व वाले देशों के कारण इसकी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता संदिग्ध है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

सरपंचों की बैठक आयोजित, 10 सूत्री मांग पर सौंपा ज्ञापन

ROURKELA : राउरकेला सिविक सेंटर में जिला सरपंच संघ की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को हुई। बैठक में सुंदरगढ़ जिले के अनेक गांव के सरपंच शामिल हुए। इस मौके पर अजीत ओराम, भुवन कुजूर, त्रिलोचन प्रधान, सचिन एक्का, विनय भूषण,नेवसान एक्का उपस्थित थे। बैठक में 10 मांगों को रखा गया। इस दौरान बैठक में प्रत्येक ग्राम पंचायत को क्षमता प्रदान की जाए डीएमएफ फंड से बिजली की लाइट लगाने के साथ उसका बिल भरा जाए। विकास कार्य के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत के सरपंचों को 20 लाख रुपया प्रदान करने की मांग हुई। विधवा विकलांग भाता डीएमएफ फंड से प्रदान करने की मांग हुई। सरपंच को प्रकृति आपदा जैसे तूफान, हाथी द्वारा क्षतिग्रस्त किए गए घर के जरूरतमंदो को सहायता, मेघा वाटर सप्लाई के जरिए ग्रामीण अंचलों में पीने का पानी की व्यवस्था करने, सरपंचो को विधायक की तरह भत्ता देने, सरपंच की कार्यकाल में मृत्यु होने पर 20 लाख रुपए प्रदान करने की मांग रखी गई। इन मांगों पर जिलापाल के जरिए मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन सौंपा गया। जिला सरपंच सभा में पूरे जिले से सरपंच शामिल हुए थे।

साईबाबा की पालकी यात्रा निकली, सैकड़ों श्रद्धालु हुए शामिल

ROURKELA : गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पानपोष राम मंदिर से टीसीआई साईं बाबा मंदिर तक बुधवार को साईं बाबा पालकी यात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालु गाते बजाते यात्रा निकाले। खिचड़ी का भोग बांटते हुए, पालकी निकाली गई। हजारों की संख्या में महिलाएं और जय-जयकार के नारे लगते रहे। पानपोष के बीजद पूर्व पार्षद हरमोहन महापात्र, पानपोष बीजद वार्ड अध्यक्ष सुनील चौरसिया, बीजद नगर अध्यक्ष गगन पांडा, पानपोष के पवन जालान, संतोष साहू, रंजीत झा, टुनु वर्मा, सतीश जयसवाल, गुड्डु जयसवाल, रमन झा, संजय सिंह मौजूद थे। युवा समाजसेवी पिंकू जयसवाल के अगुवाई में इस यात्रा को सफल बनाने में बबला चौरसिया, प्रमोद साहू, मनोज जायसवाल, गुड्डु चौरसिया का अहम योगदान रहा।

कांग्रेसियों ने फूंका मध्य प्रदेश के सीएम का पुतला

CHAIBASA : चाईबासा : मध्य प्रदेश राज्य के भाजपा शासन में सत्ता के नशे में चूर अहंकारी भाजपा कार्यकर्ता द्वारा आदिवासी युवक पर पेशाब करने की घटना के विरोध में जिला कांग्रेस कमिटी, प. सिंहभूम के तत्वाधान में बुधवार शाम को प०सिंहभूम जिला मुख्यालय शहीद पार्क चौक, चाईबासा में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का पुतला दहन कार्यक्रम प्रभावशाली तरीके से आयोजित कर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रर्दशन किया गया । कांग्रेसियों ने एक स्वर में कहा कि मध्य प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ता द्वारा आदिवासी युवक पर पेशाब करने की घटना ने पूरे देश को शर्मसार किया है। यह घटना भाजपा शासन में आदिवासियों को प्रताड़ित एवं अपमानित करने की चरम सीमा है। भाजपा का आदिवासियों के प्रति निकृष्ट मानसिकता को उजागर करते हुए उनके झूठे आदिवासी प्रेम का पदार्फाश करना अत्यंत आवश्यक है। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, नितिमा बारी, दिकु सावैयां, कैरा बिरुवा, त्रिशानु राय, राजू कारवा , सुशील कुमार दास सहित सैकड़ों मौजूद थे।

राजस्व आयुक्त ने सफाई और आहार केंद्रों का किया निरीक्षण

PHOTON NEWS ROURKELA : उत्तरी मंडल के राजस्व आयुक्त डॉ. सुरेश चंद्र दलाई ने मंगलवार को राउरकेला का दौरा किया। उन्होंने सबसे पहले शहर के कुछ इलाकों में साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने सफाई कर्मियों से भी बात की, उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया और उन्हें उनके काम के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद, वह म्यूनिसिपल कॉलेज के पास स्थित संसाधन केंद्र पहुंचे। उन्होंने खाद बनाने की प्रक्रिया की गहन समीक्षा की और मिशन शक्ति एसएचजी के सदस्यों से बात की जो इस प्रक्रिया में लगे हुए हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने शक्ति

नगर में आहार रसोई और सेक्टर 19 में आहार केंद्र का दौरा किया। आहार केंद्र में भोजन किया और लोगों से बातचीत की और भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। डॉ. दलाई के साथ एडीएम राउरकेला सह आयुक्त आरएमसी, डॉ. शुभंकर महापात्रा और अन्य अधिकारी भी थे।

25 हजार घूस लेते राजस्व निरीक्षक को ACB ने रंगेहाथ किया गिरफ्तार

हवाई पट्टी निर्माण के कारण जमीन गंवाने वाली महिला से मांग रहा था घूस

PHOTON NEWS MALKANAGIRI: मलकानगिरी जिले के भ्रष्टाचार निरोधक विभाग (एसीबी) को सफलता मिली है। हवाई पट्टी निर्माण के कारण अपनी जमीन गंवाने वाली महिला से 25 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए विजिलेंस अधिकारी ने एक राजस्व निरीक्षक को पकड़ा है। मालकानगिरी तहसील के अंतर्गत सिंधमाल सर्किल के राजस्व निरीक्षक सीमांचल साहू 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार हुए है। मालकानगिरी हवाई पट्टी के निर्माण में गई जमीन की भरपाई के लिए गौड़गुड़ा गांव के हिताधिकारी के साथ 30 हजार रुपये का समझौता किया गया। आज जब आरआई सीमांचल साहू पीड़ित के घर गए

और 25 हजार रुपए लिये तो पहले से पहरा दे रही विजिलेंस टीम ने राजस्व निरीक्षक को रुपए सहित गिरफ्तार कर लिया।

मुआवजा दिलाने की बात पर मांग रहा था पैसे : गिरफ्तार हुए सीमांचल साहू ने कहा कि जमीन गंवाने वाली गौरगुडा गांव की मायारानी मंडल को सरकार से 7 लाख 31 हजार रुपये मुआवजा राशि मिलने की बात कहते हुए उसे 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। राजस्व निरीक्षक को तब गिरफ्तार किया गया जब महिला ने उसे अपने घर बुलाया और पैसे दिए।

नाबालिग से दुष्कर्म करने का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे, भेजा गया जेल

प्रेमजाल में फंसा कर महीनों तक किया रेप

PHOTON NEWS CHAIBASA: तांतनगर ओपी पुलिस ने नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म करने के एक आरोपी मुढ़दा निवासी सेलाय हेम्ब्रम (26) को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। सेलाय के खिलाफ मंझारी (ओपी तांतनगर) में पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी सेलाय नाबालिग को प्रेमजाल में फंसा कर कई माह से शरीरिक संबंध बना रहा था। इसकी भनक लगने पर उसकी पत्नी ने उसका पीछा किया और नाबालिग के साथ इश्क करते हुऐ रंगे हाथ पकड़ लिया। रंगे हाथ पकड़ने जाने के बाद गांव में इस मामले को लेकर

गिरफ्तार आरोपी की जानकारी देती पुलिस • फोटोन न्यूज

पंचायती भी हुई पर मामला उलझ गया। इसके बाद नाबालिग के परिजनों ने तांतनगर ओपी में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करा दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

झारखंड चैंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री का जोरदार स्वागत

PHOTON NEWS CHAIBASA: झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष किशोर मंत्री, उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा और प्रेस प्रवक्ता ज्योति का बुधवार को स्वागत किया गया। चाईबासा पहुंचने पर सभी का फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज कोल्हान के उपाध्यक्ष नितिन प्रकाश और पश्चिमी सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों ने जोरदार तरीके से अभिनंदन किया। इसके साथ ही चैंबर के स्थानीय कार्यालय में बैठक कर यहां के व्यापारियों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। सभी की बातों को झारखंड चैंबर के अध्यक्ष ने काफी गंभीरतापूर्वक सुना और हर समस्या के समाधान का आश्वासन किया। कहा कि बिजली टैरिफ, रेल, नगरपालिका टैक्स में हो रही बढ़ोतरी, लीज व उद्योग से

किशोर मंत्री का स्वागत करते लोग • फोटोन न्यूज

संबंधित समस्याओं का समाधान करवाने का प्रयास किया जाएगा।

बैठक में यह थे मौजूद

मौके पर पश्चिमी सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष राजकुमार ओझा, उपाध्यक्ष अजय गुप्ता, ओमप्रकाश केडिया, महासचिव पंकज भालोतिया, सह सचिव छोटे लाल गुप्ता, छोटेलाल तामसोए, स्वास्थ्य समिति के चेयरमैन पवन अग्रवाल, लीज समिति के चेयरमैन इम्तियाज खान, विद्युत समिति के चेयरमैन संजय अग्रवाल, जनसंपर्क समिति के चेयरमैन सर्वेश प्रसाद और संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

चेक बाउंस मामले में को दो साल की सजा

आरोपी को 10 लाख रुपये क्षतिपूर्ति भरने का निर्देश

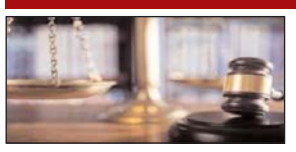

PHOTON NEWS CHAIBASA: चेक बाउंस करने के मामले में चाईबासा के सिदेश्वर मंदिर निवासी दया शंकर यादव को ऋषि कुमार की अदालत ने दो साल की सजा सुनायी और 10 लाख रुपये क्षतिपूर्ति भरने का निर्देश दिया है। इसके खिलाफ मुफस्सिल थाना के कल्याणपुर निवासी हेमंत कुमार सिंह ने 31 जनवरी 2023 को न्यायालय में शिकातवाद दर्ज कराया था। दर्ज मामले में बताया गया था कि हेमंत और दया शंकर के बीच दोस्ती थी। दया शंकर यादव ने हेमंत से अपनी गाड़ी मरम्मत कराने और फाईनेंस कम्पनी में भरने के लिए 10 लाख रुपये दोस्ताना कर्ज लिया था। कुछ दिनों के बाद हेमंत को 2 लाख 50 हजार रुपये नकद दिया और 6 लाख 50 हजार रुपये का चेक दिया था। दया शंकर यादव के बैंक खाते में पैसा नहीं रहने के कारण चेक बाउंस कर गया। इसके बाद मामला दर्ज कराया गया। अदालत को दया शंकर यादव के खिलाफ चेक बाउंस करने का साक्ष्य मिल जाने से दो साल की सजा सुनायी।

काम दिलाने के नाम पर नाबालिग को ले गई युवती, परिजन परेशान

सांसद ने पुलिस को त्वरित कार्रवाई करने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS CHAIBASA: नोवामुंडी प्रखंड के बोकना गांव की रहने वाली एक 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी पिछले 28 जून से लापता है। किशोरी की मां के अनुसार पिछले दिनों उसके घर एक अनजान युवती आई थी और उनकी बेटी को काम दिलाने के बहाने बाहर ले जाना चाह रही थी। लेकिन उन्होंने अपनी बेटी को उसके साथ भेजने से मना कर दिया। परन्तु 28 जून की शाम उनकी बेटी अचानक घर से लापता हो गई। काफी खोजबीन किया गया लेकिन कुछ पता नहीं चला। उन्होंने आशंका जताई कि उनकी बेटी को उक्त अनजान युवती ही बहला फुसलाकर अपने

साथ ले गई है।

पीड़िता की मां ने सांसद से लगाई गुहार

इधर, परेशान मां अपनी गुहार लेकर बुधवार को बड़ाजामदा में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल सांसद गीता कोड़ा एवं जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम सिंकु के पास पहुंची। महिला ने दोनों के समक्ष पूरी बातों को रखा। कहा कि बड़ाजामदा थाने में वे शिकायत लेकर गई पर गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज नहीं की गई। पीड़िता की बातों को सुनते ही सांसद गीता कोड़ा ने मौके पर बड़ाजामदा थाना प्रभारी बासुदेव टोप्पो को बुलाकर नाबालिक किशोरी की गुमशुदगी के संबंध में तुरंत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। बता दें कि नाबालिक के पिता की काफी साल पहले मौत हो चुकी है। वह अपने पीछे तीन लड़की तथा दो लड़का को छोड़ गए हैं। जिसमें से एक लड़की को बहला-फुसलाकर युवती भगा ले गई है।

बांकिया काली मंदिर में लगा वाटर कूलर

ड्रिंकिंग वाटर कूलर स्थापित करने के बाद मरवाड़ी समाज • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA: बांकिया काली मंदिर, राउरकेला में बुधवार को मिलते रामवावतार और लीलावती सोंथालिया की याद में, मारवाड़ी महिला मंच के द्वारा ड्रिंकिंग वाटर कूलर स्थापित किया गया। मारवाड़ी महिला मंच के सभी सदस्यों और बंगाली एसोसिएशन के सदस्य एमएम हलदर, जयंत कुमार साहा, शुभेनजीत विश्वास, बुद्धदेव बसु, विश्वजीत डे, सुरोजीत बनर्जी, सौरव चक्रवर्ती, अतनु दास, तितास गांगुली, सुमन देव शर्मा समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

बांकिया मंदिर में हुआ पौधरोपण

ROURKELA: बांकिया काली मंदिर, राउरकेला में बुधवार को मारवाड़ी महिला मंच के सभी सदस्यों ने पौधरोपण किया। यह कार्यक्रम मारवाड़ी महिला मंच के अध्यक्ष रेशमा हलवाई और मंदिर, पुजारी अभिजीत कुमार चक्रवर्ती के उपस्थिति में हुआ।

ग्रामीण क्षेत्र में फाइबर ब्रॉडबैंड कनेक्शन के साथ फ्री इंस्टालेशन देगा बीएसएनएल : डिप्टी जीएम

CHAIBASA: बीएसएनएल ग्रामीण क्षेत्र में फाइबर ब्रॉडबैंड कनेक्शन के साथ फ्री इंस्टालेशन दे रहा है। बीएसएनएल के डिप्टी जीएम संजय कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिम सिंहभूम जिले में भारत सरकार द्वारा भारत एक उद्यमीकरण स्कीम चला रही है। जिसके तहत दो तरह की कनेक्शन देता है।वे बुधवार को चक्रधरपुर के बीएसएनएल कार्यालय में बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा की ग्रामीण क्षेत्र में हर घर में फाइबर ब्रॉडबैंड कनेक्शन देना है। जिसमें इंटरनेट ब्रॉडबैंड सुविधा है। पहले यह केवल शहरी क्षेत्र में मिलता था, इसमें उधमी योजना है। कनेक्शन देकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

ग्रामीणों की समस्याओं पर हुई चर्चा, जल्द समाधान करने की मांग की

केनके गांव की समस्याओं को लेकर DC से मिले डॉ विजय

PHOTON NEWS CHAIBASA: चक्रधरपुर प्रखंड के केनके पंचायत स्थित केनके गांव में व्याप्त समस्याओं को दूर करने को लेकर पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ विजय सिंह गागराई ने बुधवार को जिला के उपायुक्त अन्नय मित्तल से मुलाकात किया। इस दौरान समाजसेवी डॉ विजय ने उपायुक्त को गांव में हुए ग्रामसभा के दौरान ग्रामीणों द्वारा बताये गये समस्याओं के समाधान से संबंधित मांग पत्र सौंपा। इस पर उपायुक्त ने जल्द ही समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान डॉ विजय सिंह गागराई ने उपायुक्त को बताया कि केनके गांव के ग्रामीण सड़क, नाली इत्यादि जैसी मूलभूत समस्याओं से जुझ रहे हैं। गांव के कई टोला में सड़क नहीं होने के कारण बरसात के मौसम में ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसे लेकर ग्रामीणों ने 22 जून को गांव में बैठक की थी।

मूलभूत समस्याओं से कराया अवगत

बैठक में अमदो के घर के सामने आरसीसी पुलिया का निर्माण कराने, विजय सामड के घर से बाया सामड के घर तक पांच सौ फीट पीसीसी सड़क निर्माण कराने, चरण घर से बाया घर तक पांच सौ फीट पीसीसी सड़क का निर्माण, राजकुमार के घर से मुख्य पथ तक पांच सौ फीट तक सड़क निर्माण, एस कुमार गोप के घर से मुख्य पथ तक पांच सौ फीट सड़क निर्माण कराने इत्यादि मांगो पर सहमती बनी थी।

यूनियन बैंक डकैती : 6 लुटेरों को पुलिस ने दबोचा

पांच लाख नकद और सोने के आभूषण जब्त

PHOTON NEWS BALESHWAR : चंदनेश्वर स्थित यूनियन बैंक लूटने वाले छह लुटेरे गिरफ्तार किए गए है। इनके पास से 5 लाख रुपये नकद, 300 ग्राम सोने के आभूषण, 3 बंदूकें, 4 बाइक और 11 मोबाइल जब्त किए गए हैं, यह जानकारी एसपी सागरिका नाथ ने बुधवार को एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी दी।

26 अप्रैल की घटना

मालूम हो कि 26 अप्रैल को चंदनेश्वर यूनियन बैंक में योजनाबद्ध तरीके से लुटेरे घुस गए थे। उन्होंने बंदूक दिखाकर बैंक स्टाफ समेत वहां मौजूद लोगों को डरा दिया। बाद में लॉकर से 600 पैकेट सोना और 45 लाख से ज्यादा रुपये लूटकर वह पश्चिम बंगाल की सीमा की ओर भाग गए। बैंक मैनेजर नाओनित खलको ने तलसारी सामुद्रिक थाने में लिखित शिकायत दर्ज करायी है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कांड संख्या 36/23 में जांच शुरू कर दी। लुटेरों को पकड़ने में सीसीटीवी फुटेज ने अहम भूमिका निभाई।

सलमान खान की शादी होने तक राखी सावंत नहीं पहनेंगी चप्पल

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत का अभिनेता सलमान खान के साथ पुराना और खास नाता रहा है। यहीं वजह है कि अभिनेत्री ने अपने प्यारे भाईजान के लिए एक खास मन्नत मांगी है। राखी की मन्नत सलमान की शादी से जुड़ी हुई है, जिसका इंतजार भाईजान के सभी फैंस को है। बता दें, अभिनेत्री ने मन्नत मांगी है कि जब तक सलमान खान की शादी नहीं हो जाती तब तक वह चप्पल नहीं पहनेंगी। अपने इस खुलासे के बाद से राखी सोशल मीडिया पर चर्चा का मुद्दा बनी हुई हैं। उनकी इस मन्नत के बारे में सुनकर सोशल मीडिया यूजर्स तो हैरान रह ही गए हैं बाकी भाईजान का अभी हमें पता नहीं है। मंगलवार को राखी सावंत मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। इस दौरान उन्होंने अपनी जैकेट से अपना मुँह छुपा रखा था और वो नंगे पैर थी। पैपराजी ने अभिनेत्री से जब पूछा कि उन्होंने चप्पल क्यों नहीं पहन रखी है। इसपर अभिनेत्री ने जवाब दिया कि उन्होंने मन्नत मांगी है कि जब तक सलमान खान की शादी नहीं हो जाती तब तक वो चप्पल नहीं पहनेंगी। इसपर पैपराजी थोड़ी देर ले लिए चौक जाते हैं और फिर राखी से कहते हैं कि ऐसे में मैडम आपको हमेशा नंगे पैर हो रहना पड़ेगा।

भारती सिंह की नेटवर्थ 23 करोड़ रुपये

हाल ही में मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह ने अपना 39वां जन्मदिन मनाया। भारती का जन्म 3 जुलाई 1984 को पंजाब के अमृतसर में हुआ था। भारती 1 दशक से भी अधिक समय से मनोरंजन जगत में हैं। वह 2012 में टेलीविजन शो 'झलक दिखला जा' में भी नजर आ चुकी हैं।उन्हें सबसे ज्यादा ख्याति उनके 'लाली' के किरदार से मिली थी। उनके जन्मदिन के मौके पर आज जानेंगे कि लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाकर उन्होने अब तक कितनी संपत्ति जुटा ली है। जानकारी के मुताबिक, भारती सिंह की नेटवर्थ 23 करोड़ रुपये है। वह देश के सबसे अमीर कॉमेडियन्स में से एक हैं। भारती सिंह की हर महीने करीब 25 लाख रुपये की आमदनी है। जानकारी के अनुसार, वह हर साल 3 करोड़ रुपये कमाती हैं। भारती सिंह के टेलीविजन करियर की शुरुआत 2008 में द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज से हुई थी।

वह इस शो में अतिंम चार में जगह बनाने में सफल रही थीं। इसके बाद 2009 से 2010 तक कॉमेडी सर्कस के 4 अलग-अलग संस्करणों में भी वह प्रतिभागी के तौर पर शामिल हुईं। वह डांस रियल्टी 'शो झलक दिखला जा' में भी नजर आईं। उन्हें पहली फिल्म 2011 में मिली। यह एक पंजाबी फिल्म थी जिसका नाम एक नूर था। इससे पहले 2010 में उन्हें एक अदालत नाम के टीवी सीरियल में काम मिल चुका था। महज 10 साल के अंदर भारती सिंह कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ते हुए शीर्ष पर पहुंच गईं। भारत के पति का नाम हर्ष लिंबाचिया है जो खुद भी एक राइटर हैं और कॉमेडी सर्कस, कॉमेडी नाइट्स जैसे कई फेमस शो के लिए स्क्रीनराइटिंग कर चुके हैं। मलंग फिल्म का टाइटल ट्रैक भी हर्ष ने ही लिखा है।

भारती सिंह का एक बेटा है जिसका नाम लक्ष है।भारती के सिर से बचपन में ही पिता का साया उठ गया था। वह 2 साल की थीं जब उनके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद उनकी मां ने अपनी तीन बेटियों का पालन-पोषण किया। भारती 3 बहनों में सबसे छोटी हैं। भारती का बचपन गरीबी में गुजरा लेकिन उन्होंने इसे बदलने की ठानी और मुंबई आ गईं। यहां उन्होंने अपने दम पर अपनी किस्मत को चमकाया और आज शीर्ष के कॉमेडियंस में उनका नाम शामिल हैं।

आप वही करें जो आपको खुशी दे : तृप्ति

ब्रेकअप की खबरों के बीच तृप्ति डिमरी ने एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा के भाई और फिल्ममेकर कर्णेश शर्मा संग शेयर की फोटो, लिखा 'वहीं करें जो खुशी दे'। इस मैसेज ने उनके चाहने वालों के बीच सस्पेंस और बढा दिया है। बता दें कि अनुष्का शर्मा के भाई और फिल्ममेकर कर्णेश शर्मा, तृप्ति डिमरी को डेट कर रहें हैं। लेकिन कुछ समय से कपल के ब्रेकअप को लेकर कुछ अफवाहें फेल रहीं थी। कपल ने अपने सोशल मीडिया पर ऐसी बहुत सी फोटोज शेयर की थी जो कपल के रिलेशन में होने के हिंट देती थी, लेकिन ब्रेकअप के बाद से दोनों ने एक दूसरे को अनफॉलो कर दिया और सारी फोटोज भी हटा दीं थी। लेकिन अब ब्रेकअप की खबरों के बीच एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कर्णेश के साथ अपनी एक फोटो शेयर कर लिखा था, चाहे आप कुछ भी करें, लोग आपके बारे में बात करेंगे, इसलिए आप वहीं करें जो आपको खुशी दे।

कई एक्टर्स ने डॉक्टरों के सम्मान में बदली अपनी बर्थ डेट

महिमा चौधरी सहित अनेक एक्टर्स ने अपनी बर्थ डेट बदल ली है। दरअसल उन्होंने ऐसा डाक्टर्स के सम्मान में किया है। जानकारी के अनुसार शाहरुख खान स्टारर फिल्म परदेस फेम एक्ट्रेस महिमा चौधरी ने शनिवार को नेशनल डॉक्टर्स डे पर अपने इंस्टाग्राम पर अपनी बर्थ डेट बदल दी। एक्ट्रेस ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि जब उन्हें ब्रेस्ट कैंसर का पता चला तो उनका जीवन किस तरह बिखर गया था।महिमा ने शेयर किया कि उनके डॉक्टरों और फैंस के कारण 8 नवंबर, 2022 को नया जीवन और दूसरा बर्थ डे मिला। दूसरी तरफ 30 दिसंबर को दुर्घटना में घायल हुए भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत ने भी अपनी बर्थ डेट बदल दी। महिमा और ऋषभ की तरह कई दूसरी मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों ने भी अपने बर्थ डेट को अपडेट करके अपनी कहानियां साझा करना शुरू कर दिया। टीवी एक्टर छवि मित्तल, फिल्म एक्टर राहुल रॉय और सेलिब्रिटी न्यूट्रिशन डॉ. सिद्धांत भार्गव भी डॉक्टरों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए आगे आए। जिन्होंने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है। मशहूर हस्तियां सेकेंड बर्थ डेट की एक नई पहल के तहत अपना बर्थ डेट अपडेट कर रही हैं।

आठ साल बाद काजोल और कृति सेनन नेटफ्लिक्स की फिल्म 'दो पत्ती' में साथ आएंगी नजर

काजोल ने हाल ही में नेटफ्लिक्स की फिल्म लस्ट स्टोरी 2 के साथ एक शानदार कमबैक किया। काजोल ने फिल्म के प्रचार के तहत अपनी सोशल मीडिया पोस्ट डीलिट कर दी जिसके बाद उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। खैर लस्ट स्टोरी को लोग पसंद कर रहे हैं। अब काजोल एक बार फिर से नेटफ्लिक्स पर धमाल मचाने को तैयार है। फिल्म 'दिलवाले' में साथ काम करने के करीब आठ साल बाद काजोल और कृति सेनन अब नेटफ्लिक्स की फिल्म 'दो पत्ती' में साथ नजर आएंगी। 'ओवर द टॉप' (ओटीटी) मंच नेटफ्लिक्स ने बुधवार को यह घोषणा की। फिल्म का निर्माण 'कथा पिक्चर्स' और 'ब्लू बटरफ्लाई' के बैनर तले किया जाएगा। लेखिका कनिका ढिल्लों ने हाल ही में निर्माण कंपनी 'कथा पिक्चर्स' की स्थापना की थी और इस फिल्म के साथ वह निर्माण जगत में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहा, ''बतौर निर्माता एक नई शुरुआत करने को उत्सुक हूं। 'दो पत्ती' की कहानी बांधकर रखने वाली और एक लेखिका के तौर पर मेरे दिल के बेहद करीब है।'' नेटफ्लिक्स के अनुसार, फिल्म 'दो पत्ती' उत्तर भारत के पहाड़ों की रहस्य और रोमांच से भरपूर एक मनोरम कहानी है। काजोल ने कहा, '' दो पत्ती की कहानी बेहतरीन है, जो रोमांच तथा रहस्य से भरी है।'' उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जो न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर में लोगों को पसंद आएगी। वहीं कृति सेनन ने कहा कि वह कनिका ढिल्लों के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं, जो बतौर निर्माता अपनी नई पारी की शुरुआत कर रही हैं।

घर से बेघर होने के बाद आकांक्षा ने खोल दी पूरी पोलपटटी

बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 की सबसे चर्चित प्रतिभागी बनने के बाद आकांक्षा पुरी को शो से अलविदा कहना पड़ा। आकांक्षा ने जेड हदीद संग टास्क के दौरान लिपलॉक करके तहलका मचा दिया। वहीं, अब घर से बेघर होने के बाद आकांक्षा ने घर के अंदर की बातें बताई हैं। आकांक्षा ने जेड हदीद के विवादित रवैये के बारे में बात की। आकांक्षा ने बेबीका धुर्वे संग जेड की लड़ाई के बारे में भी बात की, जब जेड ने गुस्से में आकर अपनी पैंट उतार दी थी।

आकांक्षा ने इस पूरे मामले पर कहा कि जेड हदीद ने जो किया वहां गलत था, लेकिन बेबीका भी लोगों को बहुत ज्यादा उकसाती हैं। आकांक्षा ने कहा, जेड ने जो किया उसकी मैंने कड़ी निंदा की, लेकिन निश्चित रूप से मुझे लगता है कि बेबिका बहुत अधिक उकसाती हैं और वह सामने वाले को दूसरी हद तक लेकर चली जाती हैं। आकांक्षा पुरी ने बिग बॉस ओटीटी के दौरान अपने परफॉर्मेंस को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, मुझे मौके कम मिले हैं। मुझे दो दिन देर से घर के अंदर भेजा गया था। शो की शुरुआत में, पैनलिस्ट द्वारा मेरी रैंकिंग बदल दी गई थी, क्योंकि मैं उनके लिए पिक्चर-परफेक्ट थी। आकांक्षा ने आगे कहा, बिग बॉस ने भी मुझे फेक बता दिया, क्योंकि मैंने अपना खाना अविनाश को देने का फैसला किया था। मैं एक पंजाबी परिवार से हूं, जहां हम दूसरों की सेवा करना पसंद करते हैं और हम रोटियों पर नहीं लड़ते हैं। अगर मुझे दर्शकों का ध्यान खींचना भी हुआ तो ये सबसे आखिरी काम होगा, जो मैं करुंगी।

अब दिसंबर में रिलीज होगी एनिमल

बालीवुड एक्टर रणबीर कपूर और संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित गैंगस्टर ड्रामा, एनिमल वीएफएक्स मुद्दे के कारण अब 4 महीने की देरी से रीलिज होगी। जानकारी के अनुसार एनिमल अब दिसंबर महीने में रिलीज़ होगी। एनिमल भूषण कुमार और मुराद खेतानी की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है, और वे निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के काम में किसी प्रकार की दखलंदाजी नहीं कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें विश्व स्तरीय फिल्म देने के लए समय की आवश्यकता है। एनिमल में रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और बॉबी देओल मुख्य भूमिका में हैं। टी-सीरीज़ प्रोडक्शन, एनिमल अब 1 दिसंबर, 2023 को रिलीज़ होगी। फिल्म को पूरा करने के लिए टीमें दिन-रात काम कर रही थीं, लेकिन एक्शन सीन इतने भव्य हैं कि 11 अगस्त के लिए उनका सर्वश्रेष्ठ संस्करण तैयार करना संभव नहीं है। संदीप के लिए विजन और आउटपुट देखने के बाद जो तैयार हुआ उसे देखने के बाद रणबीर कपूर के साथ निर्माताओं ने फिल्म को 11 अगस्त के स्थान पर इसे दिसंबर तक टालने का फैसला किया है।

एनिमल रिलीज़ की अस्थायी तारीख 1 दिसंबर है, जो टाइगर 3 के 3 सप्ताह बाद और डंकी से 3 सप्ताह पहले है। टीम का मानना है कि 1 दिसंबर को आने से फिल्म को 3 सप्ताह का समय मिलेगा क्योंकि कोई भी अन्य फिल्म 3 घटना गाथाओं - टाइगर 3, एनिमल और डंकी के बीच में नहीं आना चाहेगी। यह एक अच्छी तरह से रणनीतिक तारीख है जिसे उन्होंने तय किया है, और 4 महीने की देरी से निर्माताओं को वीएफएक्स का काम पूरा करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा।